Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Anti-drug Cell report 2022-23

Convener: Dr.Madhu Bala Juwantha

Assistant Professor and Head, Department of Political Science

Program -01

Awareness Program in 34th Nainbagh Sharad Mahotsava, 05-08 November 2022

Outreach activity

Program-02

- **Lecture on de-addiction by Mr. Balbeer Singh Rawat, Incharge Police Station, Nainbagh**
- **Slogan and speech Competition on de-addiction**

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Program-03

- **Lecture on de-addiction by Dr. Vineet Rohila, PHC Nainbagh**

on the occasion of Uttarakhand Foundation Day 09 November 2022

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Program -04

Lecture on Traffic security and de-addiction by Shri Subhash Kumar, Head Constable, Police Station, Nainbagh on 12 December 2022

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Program-05

Awareness rally in Nainbagh market on anti-drug on 20 March 2023

नशे के नकारात्मक प्रभावों के प्रति जन जागरूकता रैली का आयोजन

टिहरी/नैनबाग (शिवांश कुँवर)। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में एन्टी ड्रग सेल के अंतर्गत नशे के खतरों एवं स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभावों के प्रति जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने रैली में सम्मिलित छात्र छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि महाविद्यालय परिसर के साथ ही उत्तराखंड राज्य को नशा मुक्त करने में युवाओं की अहम भूमिका है। एन्टी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ.मधुबाला जुयाँठा ने कहा कि महाविद्यालय के द्वारा ड्रग फ्री देवभूमि अभियान में स्थानीय सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं व छात्र-छात्राओं के सहयोग से निरंतर नशा मुक्ति जन जागरूकता सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

जन जागरूकता रैली की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर रैली में हिस्सा लिया। छात्र छात्राओं ने बैनर पोस्टर एवं रैली के माध्यम से नैनबाग मुख्य बाजार में नशा मुक्ति हेतु जनता को प्रेरित किया तथा नशे के खिलाफ नारे लगाए इस रैली में महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर परमानंद चौहान एवं असिस्टेंट प्रोफेसर चतर सिंह व अनिल नेगी आदि उपस्थित रहे।

Program-06

Outreach program in Tator village-Nukkad Natak on de-addiction on 25.04.2023

http://www.khabarsagar.co.in/?p=61441

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में हुआ आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

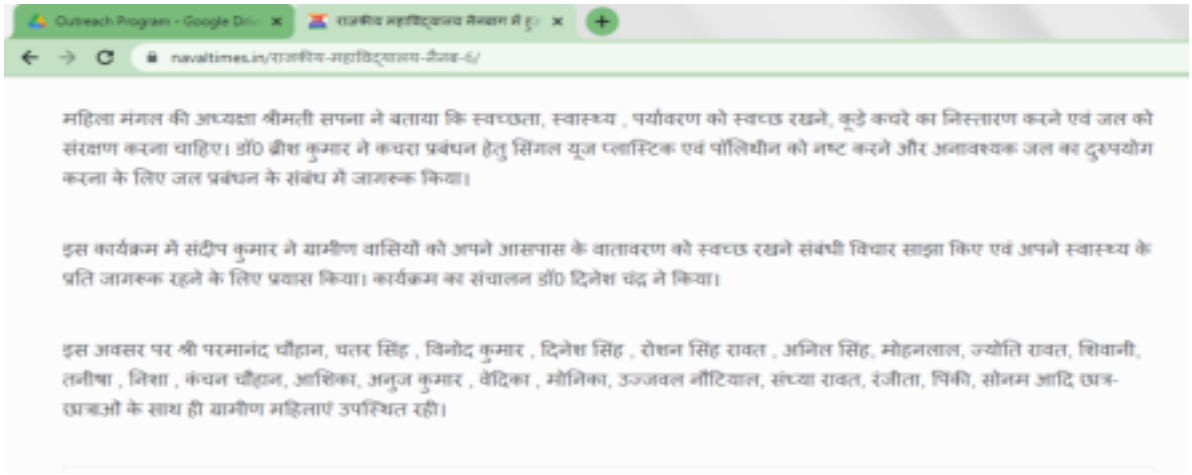

Government Degree College Nainbagh
N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand
(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)
Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Outreach Program - Google Dri... | राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में ...
navaltimes.in/राजकीय-महाविद्यालय-नैनबा-6/

महिला मंगल की अध्यक्षा श्रीमती सपना ने बताया कि स्वच्छता, स्वास्थ्य , पर्यावरण को स्वच्छ रखने, कूड़े कचरे का निस्तारण करने एवं जल को संरक्षण करना चाहिए। डॉ0 श्रीश कुमार ने कचरा प्रबंधन हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन को नष्ट करने और अनावश्यक जल का दुरुपयोग करना के लिए जल प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया।

इस कार्यक्रम में संदीप कुमार ने ग्रामीण वासियों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने संबंधी विचार साझा किए एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 दिनेश चंद्र ने किया।

इस अवसर पर श्री परमानंद चौहान, चतर सिंह , विनोद कुमार , दिनेश सिंह , रोशन सिंह रावत , अनिल सिंह, मोहनलाल, ज्योति रावत, शिवानी, तनीषा , निशा , कंचन चौहान, आशिका, अनुज कुमार , वैदिका , मोनिका, उज्जवल नौटियाल, संध्या रावत, रंजीता, पिंकी, सोनम आदि छात्र-छात्राओं के साथ ही ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

Convener
Dr. Madhu Bala Juwantha
Mobile No:7895506080

Sumita

Prof. Sumita Srivastava
Principal
Government Degree College, Nainbagh
Tehri Garhwal
Mobile No. 8077919619

Principal
Govt. Degree College
Nainbagh (Tehri Garhwal)

नशामुक्त देवभूमि उत्तराखण्ड

मासिक

संकल्प पत्र

प्रवेशांक

जनवरी-फरवरी 2023

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग (टिहरी) से प्राचार्य डॉ. सुमिता श्रीवास्तव की रिपोर्ट

ड्रग के सेवन करने वाले चिन्हित छात्र पंकज प्रकाश ने महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। वह ग्राम बनचीरा (उत्तरकाशी) का निवासी है और नैनबाग में अपने रिश्ते दारों के पास रहता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर (ग्राम-पाव) के दौरान प्रथम चार कार्यक्रम अधिकारी श्री संदीप कुमार को अन्य छात्रों के माध्यम से पता चला कि पंकज अलग से जाकर कुछ नशा करता है। इसके पश्चात उन्होंने पंकज पर नजर रखना प्रारम्भ कर दिया। उन्हें शिविर में पंकज का व्यवहार अन्य छात्रों की तुलना में सामान्य नहीं लगा। शिविर में जहां सभी छात्र दैनिक कार्यों को उत्साहपूर्वक कर रहे थे तो वहीं पंकज एक कोने में चुपचाप बैठा रहता था और किसी भी गतिविधि में सम्मिलित नहीं होता था। इसी बीच कुछ छात्रों ने बताया कि पंकज भांग का सेवन करता है और उसकी आंखों को रंग भी लाल रहता है। यह जानकारी प्राप्त होने पर कार्यक्रम अधिकारी ने अत्यन्त सौम्यता के साथ पंकज को अपने पास बिठाकर प्रेमपूर्वक नशे के सेवन करने के विषय में पूछा तो उसने आसानी से स्वीकार कर लिया कि वह नशा करता है। शिविर समाप्ति पर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा यह जानकारी महाविद्यालय की एन्टी ड्रग समिति को दी गई। प्राचार्य के दिशा निर्देशों के अनुसार प्राध्यापकों ने पंकज की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखना प्रारम्भ कर दिया। भीषण सर्दी में भी वह सिर्फ कमीज और चप्पल पहन कर कॉलेज आता था। प्राध्यापकों को पता चला कि उसके पास गर्म कपड़े और जूते हैं, पर नशे का आदी होने के कारण वह यह सब करता है। प्राध्यापकों ने पंकज को एक दिन महाविद्यालय से घर की ओर जाते हुए सड़क के किनारे झाड़ियों के बीच बैठा हुआ देखा, जो कि उसका असामान्य व्यवहार था। यह सब देखकर पंकज के रिश्तेदारों को उसके नशा करने की जानकारी दी गई और उसे प्रेमपूर्वक नशे के दुष्परिणामों के बारे में समझाते हुए नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। पंकज ने अपने गलती स्वीकारते हुए भविष्य में नशे का सेवन न करने का वादा किया। पंकज ने भरोसा दिलाया कि अब वह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनकर उन्हें भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेगा। आखिर प्राध्यापकों की काउंसलिंग रंग लाई।

SUCCESS STORY

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत से प्राचार्य प्रो.पुष्पेश पांडे की रिपोर्ट-

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत के एम.काम.प्रथम सेमेस्टर के छात्र राहुल बिष्ट का कहना है कि वर्ष 2016 तक मुझे नशे से दूर-दूर तक को मतलब नहीं था, परन्तु धीरे-धीरे मैंने कुछ ऐसे लोगों के साथ मिलना-बैठना शुरू कर दिया जो लोग नशा करते थे। उनके साथ मैंने भी शुरुआत में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नशा करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद पता चला कि मुझे भी नशे की आदत जैसी होने लगी और मेरी स्थिति ऐसी हो गई कि मैं कोशिश करने के पश्चात भी इस स्थिति से बाहर नहीं निकल पा रहा था। एक दिन जब मैं रात को कहीं से नशा करके अपने साथियों के साथ घर आया तो घर पर केवल मेरी मां अकेली थी। मुझे देखकर वह रोने लगी। उनको रोते देखकर मैं बहुत दुखी हुआ, परन्तु मेरी मां ने मुझसे कुछ नहीं कहा। मां को मुझ पर भरोसा था कि मैं एक दिन अवश्य इस दलदल से बाहर निकल आऊंगा। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी मुझे समझाया और मां को दुखी देखकर मैंने उसी दिन प्रण कर लिया कि आज के बाद कभी नशा नहीं करूंगा। मैं आज एम.कॉम.प्रथम सेमेस्टर का छात्र हूं और छात्र संघ का अध्यक्ष भी हूं। अब मैं कभी नशा करने वालों के पास बैठता तक नहीं हूं। उन्हें देखकर मुझे हीन भावना होती है। अब मुझे लगता है कि मेरा जीवन सफल है कि मैं सही समय पर नशे से दूर हो गया। यही मेरी कहानी है।- **राहुल बिष्ट**

सफलता की कहानी.....

नशामुक्त देवभूमि उत्तराखण्ड

द्विमासिक

संकल्प पत्र

द्वितीय अंक

मार्च-अप्रैल-2023

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित

Success Story

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग टिहरी गढ़वाल के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम सभा मसरास के दौरान की गई काउंसलिंग और प्राचार्या प्रो० सुमिता श्रीवास्तव के प्रोत्साहन से एक महिला ने पाई नशामुक्त और खुशियों से भरी जिन्दगी।

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग टिहरी गढ़वाल के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम सभा मसरास ब्लॉक जौनपुर जनपद टिहरी गढ़वाल में दिनांक 27 फरवरी 2023 से 05 मार्च 2023 तक आयोजित हुआ। शिविर के दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ० दिनेश चंद्रा के नेतृत्व में ग्राम सभा मसरास ब्लॉक जौनपुर जनपद टिहरी गढ़वाल में साफ सफाई एवं नशा मुक्ति अभियान के दौरान एक ऐसी महिला से परिचय हुआ जो बुरी तरह से शराब की लत में अपना जीवन गुजार रही थी। जब डॉ० दिनेश चंद्र ने इनसे बात की और इनका नाम पूछा तो इस महिला ने अपना नाम उर्मिला देवी पत्नी मुरारी बताया और इस बात को स्वीकार किया कि वह शराब पीती है। दिनेश चंद्र को यह भी पता चला कि जिस प्राथमिक विद्यालय में शिविर का आयोजन किया गया था, वहां उर्मिला देवी के दो बच्चे अजय और विजय भी पढ़ते थे। अजय तीसरी क्लास का विद्यार्थी है और विजय पहली क्लास का। दोनों भाइयों से बात हुई तो उन्होंने कहा उनकी मां सुबह से ही शराब पीती हैं, पिताजी मजदूरी का काम करते हैं। पिताजी के लिए अजय को स्वयं सुबह दिन और शाम का खाना बनाना पड़ता है। जब उनकी यूनिफॉर्म देखी गई तो बड़ी गंदी थी, साथ ही ऐसा महसूस हो रहा था कई दिनों से यह बच्चे नहाये भी नहीं हैं, उनकी माता का बच्चों की सफाई और घर के कार्यों से कम ही मतलब था। ऐसी स्थिति में दोबारा श्रीमती उर्मिला देवी से बात हुई, उन्हें समझाया गया और उनकी काउंसलिंग की गई । फिर दोनों बच्चे दूसरे दिन अपने साफ कपड़े, बैग और नहाकर स्कूल आए। इन दोनों बच्चों की अच्छी विशेषता यह है कि यह बच्चे पढ़ने में बहुत अच्छे हैं । इस बात को विद्यालय के अध्यापकों ने भी बताया। जब सात दिवसीय कैंप का छठवां दिन था, तब महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने भी इन बच्चों से बात की। इन बच्चों ने स्वीकार किया जब से सर ने मेरी मां से बात की उस दिन से मेरी मां शराब नहीं पीती हैं और हमारा भी ख्याल रखती है। प्राचार्या ने डॉ० दिनेश चंद्रा को निर्देशित किया कि इस परिवार से समय-समय पर मिलते रहिए और महाविद्यालय स्तर पर इस परिवार के लिए जो भी सहायता हो वह भी की जाएगी। वर्तमान में महाविद्यालय के द्वारा की गई काउंसलिंग और प्राचार्या के द्वारा किए हुए प्रोत्साहन की वजह से यह परिवार खुशी का जीवन जी रहा है।

सफल कहानी.....

नशामुक्त देवभूमि उत्तराखण्ड

त्रिमासिक

संकल्प पत्र

अंक-तृतीय

मई-जून 2023

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित

महाविद्यालय की छात्रा ने छुड़ाई पिता की शराब की लत

नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान एवं ड्रग फ्री देव भूमि की मुहिम में राजकीय महाविद्यालय नैनबाग (टि.ग.) का एन्टी ड्रग सेल निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिस प्रकार से महाविद्यालय द्वारा नशा मुक्ति को लेकर लगातार छात्र–छात्राओं को जागरूक करने हेतु महाविद्यालय के प्राध्यापकों सहित विभिन्न इकाइयों उदाहरण के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस प्रशासन, महिला मंगल दल आदि के द्वारा छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार की जानकारियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है उसका सकारात्मक परिणाम भी हमें देखने को मिल रहा है। महाविद्यालय की छात्रा कुमारी रंजीता जो कि बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा है ने इसी प्रकार की जागरूकता का परिचय दिया है। अक्सर देखने में आता है कि सामाजिक बदनामी के डर से लोग अपने घर–परिवार में नशे के कारण होने वाले लड़ाई झगड़ों या हिंसक घटनाओं पर पर्दा डालने का प्रयास करते हैं किन्तु महाविद्यालय की छात्रा रंजीता ने इसके विपरीत एक उदाहरण पेश किया है ।

छात्रा के पिता (हिम्मत) नशे के आदि हैं व आए दिन शराब पीकर परिवार में हंगामा करते हैं। एक रात तो हद ही हो गई जब छात्रा के पिता ने शराब पीकर रंजीता व उसकी माता पर मारपिटाई व जानलेवा हमला करने की कोशिश की, किसी प्रकार से छात्रा ने स्वयं व अपनी माँ को एक कमरे में बंद कर लिया। यह घटना 24 मई 2023 रात की है। इसके पश्चात छात्रा ने रात में लगभग 10:05 बजे महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 ब्रीश कुमार को फोन मिलाया तथा शराब के नशे में धुत्त पिता से स्वयं की व अपनी माँ की जान को खतरा बताते हुए मदद की गुहार लगाई। डॉ0 ब्रीश कुमार ने छात्रा को हिम्मत बंधाते हुए तुरंत नैनबाग पुलिस चौकी पर फोन के माध्यम से सब इंस्पेक्टर श्री प्रवीण कुमार को संपूर्ण घटना की जानकारी दी तथा रात में ही छात्रा के गांव पहुँचकर मदद करने की बात कही। छात्रा का गाँव कपोनीखेत ग्राम सभा मैर जो कि मुख्य मार्ग से पाँच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसमें डेढ़ किलोमीटर का रास्ता पैदल मार्ग का है, रात काफी हो चुकी थी एवं उस दिन महिला पुलिस की अनुपलब्धता के कारण गांव में जाना संभव नहीं था। किंतु पुलिस वालों ने छात्रा से फोन पर संपर्क कर तुरंत पिता से बात करवाने की बात कही छात्रा ने हिम्मत करते हुए अपने पिता को फोन पकड़ाया पुलिस वालों के द्वारा उसके पिता को प्रेम से समझाया गया और साथ ही ना मानने की दशा में कानूनी कार्यवाही किए जाने की बात कही। पिता डर गया व अपने कृत्य के लिए तुरंत ही माफी मांगी व भी,बेटी पर किसी भी प्रकार की प्रताड़ना ना किए जाने का आश्वासन दिया। इसके पश्चात पुलिस वालों ने ग्राम सभा मैर के प्रधान श्री करण सिंह कंडारी को जनप्रतिनिधि होने के नाते उनके क्षेत्र की इस घटना से अवगत कराया व पीड़ित छात्रा व उसकी माँ से मिलने के लिए कहा । ग्राम प्रधान उस दिन गांव में उपस्थित नहीं थे किंतु प्रधान जी ने उसी वक्त छात्रा के पिता से फोन पर बातचीत कर पिता को समझाया । घटना के अगले दिन डॉ0 ब्रीश कुमार द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया को संपूर्ण घटनाक्रम से अवगत कराया गया प्राचार्य के निर्देशानुसार छात्रा को महाविद्यालय में बुलाया गया प्राचार्य ने छात्रा द्वारा उठाए गए कदम व साहस की सराहना की एवं उसी समय एंटी ड्रग नोडल अधिकारी डॉ0 मधु बाला जुयाँठा व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र को निरंतर छात्रा के संपर्क में बने रहते हुए समय–समय पर उसके पिता से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए उसी दिन डॉ0 दिनेश चंद्रा के द्वारा फोन के माध्यम से छात्रा के पिता की काउंसलिंग की गई। प्राचार्य द्वारा ग्रीष्मावकाश के पश्चात उक्त गांव में जाकर उसके पिता को मिलकर उनकी काउंसलिंग किये जाने के निर्देश भी दिए गए हैं । एंटी ड्रग नोडल अधिकारी ग्रीष्म अवकाश के दौरान भी निरंतर छात्रा के संपर्क में बनी हुई हैं। उनके द्वारा छात्रा को फोन करके उसके पिता की वर्तमान स्थिति का जायजा भी लिया गया छात्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिता में काफी सुधार है व उन्होंने शराब पीना भी लगभग बंद ही कर दिया है ।

Success Story

सफल कहानी.....

निर्देशन
श्रीमती राधा रतूड़ी
अपर मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड शासन

परिकल्पना
प्रो० आनन्द सिंह उनियाल
संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा/राज्य नोडल अधिकारी
एंटी ड्रग समिति

सम्पादन
प्रो० के.एल. तलवाड़
प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय
चकराता (देहरादून)

Printer: ezygraphics8@gmail.com

26 जून अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस

नशामुक्त देवभूमि उत्तराखण्ड

द्विमासिक

संकल्प पत्र

अंक-चतुर्थ

जुलाई-अगस्त 2023

उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित

Activities

Activities

दैनिक बुलन्द वाणी

03-अगस्त-2023

संजय कुमार राजपूत

मैर ग्राम पंचायत में स्थित कपनोली खेत गांव में नशामुक्ति जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन।

टिहरी गढ़वाल, नैनबाग। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं एंटी ड्रग्स सेल के संयुक्त तत्वाधान में टिहरी जनपद के अंतर्गत मैर ग्राम पंचायत में स्थित कपनोली खेत गांव में नशामुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के एंटी-ड्रग्स सेल को समय-समय पर यह शिकायत मिल रही थी कि इस गांव के लोग कच्ची शराब बनाने का काम करते हैं और स्त्री – पुरुष दोनों इसे पीते भी हैं। इस कारण इनके बच्चों की पढ़ाई को बड़ा नुकसान हो रहा है। इसी स्थिति को संज्ञान में लेते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र के नेतृत्व में एंटी-ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ [illegible] एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सलाहकार डॉ [illegible] कुमार एवं कुछ स्वयंसेवकों को संबंधित गांव में भेजा। वहां पहुंचकर डॉक्टर दिनेश चंद्र ने वहां के लोगों से बात की और पाया कि वास्तव में इस गांव के बारे में जो शिकायत की गई थी कुछ सही है। ऐसी स्थिति में यहां के लोगों की काउंसलिंग करने का काम किया गया और उन्हें समझाया गया कि वे लोग इस काम को छोड़ दें इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। गांव के लोगों ने भविष्य में ऐसा न करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कुमारी कंचन चौहान, कुमारी ज्योति राणा, कुमारी अमीषा चौहान, कुमारी [illegible], अनुज, कुमारी [illegible] आदि उपस्थित रहे।

Rural Entrepreneurship Development Cell Proforma
Ministry of Education
Government of India

Date:- 30-09-2022

1	Name of the Institution	Government Degree College Nainbagh
2	Address of the Institution	N.G.Road Nainbagh, Post office- Segunisera Dist- Tehri Garhwal Uttarakhand Pin Code-249186
3	Affiliated to	Sri Dev Suman Uttarakhand University Badshahithaul Tehri Garhwal
4	Name of the Principal	Prof. Sumita Srivastava
5	Principal Phone Number	8077919619
6	Email Id	Principalgdcnainbagh2001@gmail.com

S. No.	Role in Cell	Name	Designation/ Assigned Faculty	Mobile No.	E-mail ID
1	Chairman	Dr. Sumita Srivastava	Principal	8077919619	Sumita_uki1@rediffmail.com
2	Internship and Apprenticeship with Rural Enterprises (Training and Placement Wing)	Dr. Dinesh Chandra	Asst. Prof. Department of History	9639397085	dineshchandra.dc11@gmail.com
3	Initiating Rural Entrepreneurship (Entrepreneurship wing)	Dr. Madhu Bala Juwantha	Asst. Prof. Department of Political Science	7895506080	madhujuwantha77@gmail.com
4	Networking with Rural Manufacturers (Rural Engagement wing)	Dr. Brish Kumar	Asst. Prof. Department of Geography	9411511139	kumarbrish2013@gmail.com
5	Developing Rural Technological Interventions (Technology wing)	Dr. Parmanand Chauhan	Asst. Prof. Department of Ecocnomics	9897935084	parmanandchauhan073@gmail.com
6	Grooming students to be Rural Entrepreneurs (Personality Development wing)	Mr. Sandeep Kumar Mr. Chatar Singh	Asst. Prof. Department of Sociology & English	9457138649 9012659368	sandeepkumarrajt@gmail.com chatarsinghsahiya@gmail.com

(Signature)

Sumita
30.09.2022

(Prof. Sumita Srivastava)
Principal
Government Degree College
Nainbagh (T.G.)
राजकीय महाविद्यालय
नैनबाग (टिहरी गढ़वाल)

Scanned with CamScanner

RECOGNISED SES REC(SOCIAL ENTREPRENEURSHIP,SWACHHTA &RURALENGAGEMENT CELL) ACTION PLAN INSTITUTION

Ministry of Education, Government of India

1.	Name of Institution	Government Degree College Nainbagh
2.	Address of the Institution	N.G.Road Nainbagh, Post office- Segunisera Dist- Tehri Garhwal Uttarakhand Pin Code-249186
3.	University Affiliated to	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul (T.G.)
4.	District & State	Tehri Garhwal Uttarakhand
5.	Name of Principal/HoI (Convenorof SES REC)	Prof. Sumita Srivastava
6.	Contact Number (WhatsApp Number)	8077919619
7.	E Mail ID	Principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Proposed Activities

#	AREA	IDEAS/SUGGESTED ACTIVITIES FOR THE TEAM; PLEASE MODIFY AS PER LOCAL NEED	COMMITTEE HEAD (FACULTY) NAME, CONTACT NUMBER, EMAIL
1.	**SANITATION AND HYGIENE (CAMPUS)**	• Post COVID19 Sanitation Measures and Drill • Clean and functional toilets (365x24) • Safe drinking water (365 x24) • Clean surroundings • Clean buildings/rooms • Campus Landscaping • Zero Littering	Mr. Sandeep Kumar Asst. Prof. Sociology sandeepkumarraj4@gmail.com 9457138649 , Mr. Chattar Singh Asst. Prof.English chatarsinghsahiya@gmail.com 9012659368, Mr. Vinod Kumar Asst. Liberian vinodchauhan2216@gmail.com 818090267. Mr. Mohan Lal Sweeper mohanlaltator@gmail.com 7351535655 03 boys and 03 girls student of Sociology and English
2.	**SANITATION & HYGIENE (COMMUNITY/ ADOPTED VILLAGES – To Promote Rural Social Entrepreneurship and Community Engagement)**	• Organizeawareness programmes for better sanitation practices like using the toilet, hand washing, health and hygiene awareness and garbage disposal • Work with SHGs for mask making and other similar activities • Perform NukkadNataksor street plays around Swachhta and Covid 19 • Conduct surveys and door-to-door meetings to drive behavioral change with respect to sanitation behaviour • Participate in Monitoring committees is to stop open defecation in villages • Prepare **Information Education Communication Material(IEC)** or wall paintingsto promote Swachhta Activities	Mr. Sandeep Kumar Asst. Prof. Sociology sandeepkumarraj4@gmail.com 9457138649 , Mr. Chattar Singh Asst. Prof.English chatarsinghsahiya@gmail.com 9012659368, Mr. Vinod Kumar Asst. Liberian vinodchauhan2216@gmail.com 818090267. Mr. Mohan Lal Sweeper mohanlaltator@gmail.com 03 boys and 03 girls student of Sociology and English Village Tator Pradhan- Mr. Sanjay Singh Rawat, Block Development Candidate (B.D.C Member) Smt. Anjali Kaintura, Member of Mahilamangaldal Sanitation

Scanned with CamScanner

#	AREA	IDEAS/SUGGESTED ACTIVITIES FOR THE TEAM; PLEASE MODIFY AS PER LOCAL NEED	COMMITTEE HEAD (FACULTY) NAME, CONTACT NUMBER, EMAIL
		• Set up RO plants in villages for safe and clean drinking water • Setting up telemedicine and mobile health care centres • Support Asha workers with innovative tools to ease their work • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field	water Tank in village tator Adopted Village – Tator
3.	**WASTE MANAGEMENT (CAMPUS)**	• Campus/Dept wise wasteaudit • Campus/Deptwaste segregation • Reduction in waste, month-on-month • Recycling waste (paper, organic waste form canteens and kitchens) • Set up compost pit for recycling waste • Ban plastic use in the campus • Banflexi banners (Only cloth banners to be used) • Paperless work – use of email, WhatsApp for communication	Dr. Dinesh Chandra Asst. Prof. History dineshchandra.dc11@gmail.com 9639397085 Mr. Sushil Chandra , office Clerk sushilkukreti84@gmail.com 9690547464 Roshan Singh Rawat Peon Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 Mohan Lal Sweeper mohanlaltator@gmail.com 03 boys and 03 girls student of History and Hindi
4.	**WASTE MANAGEMENT (COMMUNITY/ ADOPTED VILLAGES - To Promote Rural Social Entrepreneurship and Community Engagement)**	• Village households'& public offices' waste audit • Village households'& public offices' waste segregation • Village households' & public offices' waste recycling mechanisms to be set up • Recycling Farm waste • Setting up community compost pits in villages • Awareness camps for Clean and Green Village (Zero Littering – IEC Material) including banning single-use plastic • Installing bio-gas plants • Innovative Technology based solutions for rural waste recycling (eg cow dung cake making machine, converting solid waste into bricks, etc) • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field	Dr. Brish Kumar Asst. Prof. Geography kumarbrish2013@gmail.com, 9411511139, Dinesh singh ,panwardinesh373@gmail.com 9411396868 Anil singh Negi, negianilnegi1976@gmail.com, 7060465708 Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of History and Hindi Village Tator Pradhan- Mr. Sanjay Singh Rawat, Block Development Candidate (B.D.C Member) Smt. Anjali Kaintura asha karyakatri and vyapar mandal nainbagh. Adopted is nainbagh Market
5.	**WATER MANAGEMENT (CAMPUS)**	• Audit of water sources in the campus • Audit of monthly water use in the campus • Audit of drinking water on campus (bottled water) • Constructing/Increasing no. of Rain Water Harvesting pits in the campus • Fixing leaky taps • Recycling water (grey, brown and black)	Dr. Brish Kumar Asst. Prof. Geography kumarbrish2013@gmail.com, 9411511139, Dinesh singh ,panwardinesh373 @gmail.com 9411396868Anil singh Negi, negianilnegi1976@gmail.com, 7060465708

Scanned with CamScanner

#	AREA	IDEAS/SUGGESTED ACTIVITIES FOR THE TEAM; PLEASE MODIFY AS PER LOCAL NEED	COMMITTEE HEAD (FACULTY) NAME, CONTACT NUMBER, EMAIL
		• Activities for recharging dry borewells	Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Geography
6.	WATER MANAGEMENT (COMMUNITY/ ADOPTED VILLAGES - To Promote Rural Social Entrepreneurs hip and Community Engagement)	• Audit of water sources in the village • Audit of drinking water in the village • Setting up soak pits • Constructing/Increasing no. of Rain Water Harvesting pits in the villages • IEC and flow chart for fixing leaky taps • Recycling water (grey, brown and black) • Activities for recharging dry borewells • Constructing check dams • Converting villages into water plus areas • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field	Dr. Brish Kumar Asst. Prof. Geography kumarbrish2013@gmail.com, 9411511139, Dinesh singh panwardinesh373@gmail.com 9411396868 Anil singh Negi, negianilnegi1976@gmail.com, 7060465708 Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Geography Village Tator Pradhan- Mr. Sanjay Singh Rawat, Block Development Candidate (B.D.C Member) Smt. Anjali Kaintura, Anganbadi worker, Sanitation water Tank in village tator
7.	ENERGY MANAGEMENT (CAMPUS)	• Audit of energy efficient heating, cooling, lighting and water systems in the campus • Audit of building wise monthly use of electricity • Incentivize reduced electricity usage by depts/buildings • Create short-term and long-term plan for the use of solar energy on the campus • Cycles on the campus (reducing carbon footprints) • Reducing carbon footprints via intelligent Purchase Standard Operating Procedures(SOPs) • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field	Mr. Parmanand Chauhan Asst. Prof. Economics parmanandchauhan071@gmail.com 9897935084, Bhuwan Chand Lab Assistant bhuwandimri4@gmail.com 7017503618 Roshan Singh Rawat Peon Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Economics
8.	ENERGY MANAGEMENT (COMMUNITY/ ADOPTED VILAGES - To Promote Rural Social Entrepreneurs hip and Community Engagement)	• Wind and Solar Energy Plants • Creating Sustainable Rural Energy Plans • Survey of CFL/ LED lamps, electric fan regulator and electronic ballast for tube light to conserve electricity • Frictionless foot valves to considerably reduce the consumption of diesel in running the pump sets. • Feasibility of using rechargeable battery-operated systems across various occupations and institutions • Mechanical washing machines to empower women	Mr. Parmanand Chauhan Asst. Prof. Economics parmanandchauhan071@gmail.com 9897935084, Bhuwan Chand Lab Assistant bhuwandimri4@gmail.com 7017503618 Roshan Singh Rawat Peon Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Economics Asha karyakarti Village Tator Block Development Candidate (B.D.C Member) Smt. Anjali Kaintura,

Scanned with CamScanner

#	AREA	IDEAS/SUGGESTED ACTIVITIES FOR THE TEAM; PLEASE MODIFY AS PER LOCAL NEED	COMMITTEE HEAD (FACULTY) NAME, CONTACT NUMBER, EMAIL
		• Awareness camps on energy efficient electrical appliances • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field • IEC about benefits of related government Programmes	Vyapar Mandal Nainbagh waste management in Nainbagh Market.
9.	GREENERY (CAMPUS)	• Setting up a nursery/kitchen garden • Setting up a seed bank • Setting up a compost pit • Researching trees that take up minimal water and are good for the ecosystem (local, resilient species)and planting them during monsoon and taking care of them (Vanamahotsav) • Landscaping in the campus • Use of organic manure for the plants • New buildings on the campus will follow green building norms	Dr. Madhu Bala Juwantha Asst. Prof. Political Science madhujuwantha77@gmail.com 7895506080 Reshma Bisht Administrative Officer reshmabisht1912@gmail.com 7017503618 Roshan Singh Rawat Peon Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Political Science
10.	GREENERY (COMMUNITY/ ADOPTED VILLAGES - To Promote Rural Social Entrepreneurship and Community Engagement)	• Growing Miyawaki forests/Nakshatravanam on barren land/Village Greenery Programme • Eco friendly agricultural practices • Smokeless Stoves • Village landscaping • Documenting indigenous knowledge • Partner with local NGOs and CSR organizations in this field • Lok Vidya	Dr. Madhu Bala Juwantha Asst. Prof. Political Science madhujuwantha77@gmail.com 7895506080, Reshma Bisht Administrative Officer reshmabisht1912@gmail.com 7017503618 Roshanrawat7100@gmail.com 9411572429 03 boys and 03 girls student of Political Science Sri Kundan Singh Panwar, village Pardhan Koti Paw Adopted Village is Koti Paw

Scanned with CamScanner

We will observe a minimum of **three** of the following Environment, Entrepreneurship & Community Engagement Related Days to inculcate and internalize in our faculty, students and community, the values of Mentoring, Social Responsibility, Swachhta and Care for Environment and Resources(**tick any three**)

#	Day	Date	
1.	National Youth Day	Jan 12	
2.	International Mentoring Day	Jan 17	
3.	Global Community Engagement Day	Jan 28	
4.	World Wetlands Day	Feb 2	
5.	World CSR Day	Feb 18	
6.	World NGO Day	Feb 27	
7.	World Water Day	Mar 22	
8.	CSR Day India	Apr 1	
9.	Earth Day	April 22	
10.	World Environment Day	June 5	
11.	No Plastic Day	July 3	
12.	World Population Day	July 11	
13.	World Entrepreneurs Day	Aug 21	
14.	World Habitat Day	1st Monday of October	
15.	National Mentoring Day	Oct 27	
16.	Women's Entrepreneurship Day	Nov 19	
17.	World Toilet Day	Nov 19	
18.	National Pollution Control Day	Dec 2	
19.	World Soil Day	Dec 5	

Date: 30-09-2022

Sumita
30-09-2022

(Prof. Sumita Srivastava)
Principal
Government Degree College
Naintbagh
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
नैनबाग (टिहरी गढ़वाल)

Scanned with CamScanner

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Outreach Activities under

Mahatma Gandhi National Council for Rural education

1. **First program on 25 April 2023-MGNCRE program in Tator village on Sanitation and hygiene, waste management and water conservation and de-addicition.**

   External experts:

   - **PHC Nainbagh- Dr.Vineet Rohila**
   - **Jal Sansthan- Ms. Sonika Rawat**
   - **Mahila Mangal Dal-Ms Sapna**

News

https://navaltimes.in/राजकीय-महाविद्यालय-नैनब-6/

http://www.khabarsagar.co.in/?p=61441

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

आज दिनांक 25 अप्रैल 2023 को राजकीय महाविद्यालय नैनबाग टिहरी गढ़वाल द्वारा गोद लिए हुए ग्राम – टटोर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् के अंतर्गत स्वच्छता व स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, कचरा प्रबंधन और नशा मुक्ति संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें एंटी ड्रग सेल के नोडल अधिकारी डॉ मधु बाला जुवांठा ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा निरंतर नशा मुक्ति हेतु जन जागरूकता संबंधी कार्य संपादित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ0 विनीत रोहिला ने बताया कि स्वच्छता ही स्वास्थ्य का मूल है , शारीरिक और मानसिक विचारों की स्वच्छता का होना आवश्यक है एवं स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्री ब्रजमोहन सिंह जी ने बताया कि नशा हमारी पूरी जिंदगी को खराब कर देता है जिसके लिए एंटी ड्रग सेल द्वारा स्थानीय लोगों को नशे से होने वाले भयंकर दुष्प्रभाव के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं।

ग्रामीण वासियों से अपील की गई कि शादी समारोह में परोसे जाने वाले नशे संबन्धी सामग्री पर रोक लगाने हेतु सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

अतः सामूहिक प्रयास से ही हम अपने समाज को व संपूर्ण उत्तराखंड को नशा मुक्त कर सकते हैं। छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम टटोर के लोगों को यह बताने का प्रयास किया कि नशा सभी तरह से परिवार को तथा व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है। यदि हम खुशहाल परिवार तथा स्वस्थ जीवन चाहते हैं तो हमें नशे से दूर रहना सीखना होगा। जल संस्थान की प्रतिनिधि सोनिका रावत ने बताया कि जल ही जीवन है, जल मनुष्य एवं जीव जंतुओं के लिए आवश्यक है तथा सभी को जल का सदुपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया।

महिला मंगल की अध्यक्षा श्रीमती सपना ने बताया कि स्वच्छता, स्वास्थ्य , पर्यावरण को स्वच्छ रखने, कूड़े कचरे का निस्तारण करने एवं जल को संरक्षण करना चाहिए। डॉ0 श्रीश कुमार ने कचरा प्रबंधन हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन को नष्ट करने और अनावश्यक जल का दुरुप

महिला मंगल की अध्यक्षा श्रीमती सपना ने बताया कि स्वच्छता, स्वास्थ्य , पर्यावरण को स्वच्छ रखने, कूड़े कचरे का निस्तारण करने एवं जल को संरक्षण करना चाहिए। डॉ0 श्रीश कुमार ने कचरा प्रबंधन हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन को नष्ट करने और अनावश्यक जल का दुरुपयोग करना के लिए जल प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया।

इस कार्यक्रम में संदीप कुमार ने ग्रामीण वासियों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने संबंधी विचार साझा किए एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 दिनेश चंद्र ने किया।

इस अवसर पर श्री परमानंद चौहान, चतर सिंह , विनोद कुमार , दिनेश सिंह , रोशन सिंह रावत , अनिल सिंह, मोहनलाल, ज्योति रावत, शिवानी, तनीषा , निशा , कंचन चौहान, आशिका, अनुज कुमार , वेदिका , मोनिका, उज्जवल नौटियाल, संध्या रावत, रंजीता, पिंकी, सोनम आदि छात्र-छात्राओं के साथ ही ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

2. **Second program on 16 May 2023-MGNCRE program in Tator village on Grrenery, plantation, energy conservation and Uttarakhand .**
   External experts:
   - **HYDEL Nainbagh- Mr. Atul Kumar (JE)**

NEWS

https://navaltimes.in/महाविद्यालय-नैनबाग-में-ऊ/

Sumita

Prof. Sumita Srivastava
Principal
Government Degree College, Nainbagh
Tehri Garhwal

Principal
Govt. Degree College
Nainbagh (Tehri Garhwal)

Project Sheet Index

Name Ranjeeta D/o mr. Himtu. Class B.A IInd sem.

Roll No. _____ Subject Geography Assignment.

S. No.	PARTICULARS	Page	Date	Remarks
1	पर्यावरण का अर्थ, पर्यावरण ह्रास	1	25/07/20	
2	वैज्ञानिक तकनिक के कारण ह्रास	1	"	
3	जंगलो की कटाई के कारण ह्रास	2	"	
4	बढती जनसंख्या के कारण	2-3	"	
5	वाहनो की बढ़ती संख्या, प्लास्टिका का उपयोग	4	"	
6	प्रदूषण का अर्थ, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण	6-11	"	08/10
7	शहरो में प्रदूषण, गांव में प्रदूषण	13	"	
8	पर्यावरण के निवारण में मानव की भूमिका	13-14	"	

GCH GANPATI COPY HOUSE

STAR Genius notebook

- Eco Friendly Paper
- High Brightness
- Better Designs
- Economical Prices
- Antiageing
- Premium Look

MRP. 25/-
Code : 510
Size : 210 x 297 mm (Aprox)

Product Name : Plain

Topic →

पर्यावरण ह्रास के कारण व निवारण मे मानव की भूमिका

पर्यावरण का अर्थ →

पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दो से हुआ हैं। "परि" जो हमारे चारो ओर हैं "आवरण" जो हमें चारो ओर से घेरे हुए हैं अर्थात पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर हुए से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक रसायनिक एवं जैविक कारकों का समष्टिगत एक इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं। तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं पर्यावरण वह है जो कि प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है हमारे चारों तरफ वह हमेशा व्याप्त होता हैं।

पर्यावरण ह्रास :- प्रकृति प्रदत हमें बहुत सारी चीजें संसाधन आदि प्राप्त है लेकिन मानव अनंत आवश्यकता के कारण वह प्रकृति के साथ छेड़ - छाड़ करता है। जिससे पर्यावरण ह्रास में वृद्धि हो रही हैं।

वैज्ञानिक तकनीकी के कारण ह्रास → प्रतिदिन विज्ञान के नये चमत्कारो से प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप की बढ़ोतरी हो रही है। विज्ञान के क्षेत्र में असीमित प्रगति तथा नए आविष्कारों की स्पर्धा के कारण आज प्रकृति पर पूर्णतः विजय प्राप्त करना चाहता हैं। इस कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया हैं, प्रौद्योगिकी दोनो

पड़ते है । वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण आधुनिक तकनिक का उपयोग करने के कारण नये रोग बढ़ गये हैं प्रौद्योगिकी के कारण नये रोग फैल रहे हैं । तकनीकी क्रांति के कारण प्राकृतिक संसाधनो दुलर्भ होते जाते हैं ।

वैज्ञानिक तकनीको ने हमारी दुनियाँ को दो तरीको से नुकसान पहुँचाता है । प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी वायु, जल, गर्मी, ध्वनि प्रदूषण सभी प्रौद्योगिकी के कारण उत्पन्न होता है प्रदूषण ।

जंगलो की कटाई के कारण ह्रास :

वनो की अत्याधिक कटाई के कारण नादियो में बाढ आ रही है । सड़क निर्माण व फैक्ट्रियो के कारण पर्यावरण का बहुत अत्यधिक ह्रास हो रहा है, पर्यावरण के ह्रास में सबसे महत्वपूर्ण दो कारक होतो है ।

1. **सड़क निर्माण**
2. **फैक्ट्रिया निर्माण**

बढती जनसंख्या के कारण ह्रास → 1- कृषि भूमि पर अत्याधिक दबाव ।

2. कृषि भूमि पर अत्याधिक दबाव।
3. प्राकृतिक संसाधनो का शोषण ।
4. प्रति व्यक्ति आय ।
5. बेरोजगारी में वृद्धि ।

6. जीवन स्तर में गिरावट
7. पर्यावरण प्रदूषण
8. ध्वनि प्रदूषण
9. हवा प्रदूषण
10. जल प्रदूषण आदि।

बढ़ती जनसंख्या के कारण पर्यावरण इतना प्रदूषित हो रहा है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। वि. संसाधनों की कमी होने के कारण भुखमरी फैल रही है भारत में जनसंख्या घनत्व अलग-अलग स्थानों पर भिन्न रूप में दिखाई देता है भिन्न में यहां पर यह आशय है कि कम घनत्व वाले क्षेत्र में अधिक जनसंख्या निवास करती है और अधिक घनत्व वाले क्षेत्र में कम जनसंख्या निवास करती है इसलिए जिस क्षेत्र में ज्यादा जनसंख्या होगी उस क्षेत्र में ज्यादा गंदगी होगी और जिस क्षेत्र में कम जनसंख्या होगी वहां पर कम गंदगी होगी।

वाहनो की बढती संख्या द्वारा ह्रास → बढती जनसंख्या के कारण व्यक्तियो के पास निजी वाहनो की संख्या अधिक हो रही है वाहनो से दमघोटू गैसे निकलती रहती है ये गैस न ही पर्यावरण के लिए अच्छा है और न ही मनुष्यो के लिए।

- वाहनो का प्रदूषण पर्यावरण में हानिकारक सामग्री का परिचय है।
- भारत में बढते शहरीकरण के कारण में वाहनो का प्रदूषण खतरनाक दर बढा रहा है।

प्लास्टिक का उपयोग: प्लास्टिक हमारे वातावरण को अत्यन्त प्रदूषित कर रहा है प्लास्टिक एक ऐसी वस्तु है जो न सड सकती है और न गल सकती है। इसका प्रचलन पूरे देश में है। नदियो के किनारे प्लास्टिक कूडा, कचरा अपशिष्ट पदार्थ फेंके सडको के किनारे प्लास्टिक की पॉलियो मे खाना फेंका हुआ रहता है। जिनसे जानवर बीमार होकर मर जाते है इसलिए प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करना चाहिए।

इन सभी प्रकार के बढती वृद्धि से प्रदूषण अत्यधिक बढ रहा है जो कि मानव जीवन, और वन, वन्य जीव जन्तुओ के लिए हानिकारक है। यह प्रदूषण कुछ इस प्रकार है।

Date:
Page: 5

* **प्रदूषण का अर्थ →** प्रदूषण (पर्यावरण) में दूषक पदार्थों के प्रवेश के कारण प्राकृतिक संतुलन में पैदा होने वाले दोष को कहते हैं। प्रदूषण पर्यावरण को और जीव जंतुओं को नुकसान पहुँचाते हैं। प्रदूषण का अर्थ – वायु, जल, मिट्टी आदि का अवांछित द्रव्यों से दूषित होना, जिसका सजीवों पर प्रत्यक्ष रूप से दूषित होना विपरित प्रभाव पड़ता है। तथा (पर्यावरण) परिस्थितिक तंत्र को नुकसान द्वारा अन्य अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ते हैं। वर्तमान समय में [पर्यावरण अवनयन] का यह एक प्रमुख कारण है।

* प्रदूषण के निम्नलिखित प्रकार हैं।

1. वायु प्रदूषण
2. जल प्रदूषण
3. भूमि प्रदूषण
4. ध्वनि प्रदूषण
5. प्रकाश प्रदूषण

* पर्यावरण ह्रास के कारण →

भारत की पर्यावरणीय समस्याओं में विभिन्न प्राकृतिक खतरे विशेष रूप से चक्रवात और वार्षिक मानसून बाढ़, जनसंख्या वृद्धि बढ़ती हुई व्यक्तिगत खपत, औद्योगीकरण, ढांचागत विकास घटिया कृषि पद्धतियां और संसाधनों का असमान वितरण है। और इनके कारण भारत के प्राकृतिक वातावरण में अत्यधिक मानवीय परिवर्तन हो रहा है।

*** वायु प्रदूषण :** वायु प्रदूषण रसायनों सूक्ष्म पदार्थों या जैविक पदार्थ के वातावरण में मानव की भूमिका है जो मानव को या अन्य जीव जंतुओं को या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। वायु के कारण मौतें और ~~श्वास~~ श्वास रोग होते हैं। वायु प्रदूषण की पहचान ज्यादातर प्रमुख स्थायी स्रोतों से की जाती है पर उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत मोबाइल और ऑटोमोबाइल्स है। कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए सहायक है, को हाल ही में पूर्ण मान्यता के रूप में मौसम वैज्ञानिक प्रदूषक के रूप में जानते हैं जबकि वे जानते हैं कि कार्बन-डाइऑक्साइड प्रकाश संश्लेषण के द्वारा हम को जीवन प्रदान करता है।

Date:

Page: 47

* **वायु प्रदूषण के कारण:** इसके पीछे सबसे बड़ा कारण प्राकृतिक संसाधनो का अंधाधुंध उपयोग होना है। पहले यह समस्या शहरो तक ही सिमीत थी, लेकिन अब यह समस्या गाँव-देहात तक बढ रही है। बढ़ती आबादी के कारण औद्योगिकरण में भी भारी बढोत्तरी हुई है। लोगो को रोजगार मुहैया कराने की वजह से इंडस्ट्री से निकलने वाली जहरीली हवा ने वायु को दूषित कर दिया है।

* **वायु प्रदूषण के प्रभाव:** वायु प्रदूषण से दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों में हृदय रोग, फेफड़े का कैंसर और श्वसन रोग वातस्फीति शामिल हैं। वायु प्रदूषण लोगो की नसों, मस्तिष्क, गुर्दे यकृत और अन्य अंगो को भी दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ वैज्ञानिको को संदेह है कि वायु प्रदूषण जन्म दोष पैदा करते है।

* **वायु प्रदूषण की रोकथाम के कुछ उपाय:** [1] प्रदूषणकारी उद्योगों के लिए शहरी क्षेत्र से दूर अलग से क्लस्टर बनाना।

[2] ऐसी तकनीक इस्तेमाल करना जिससे धुएँ का अधिकतर भाग अवशोषित हो जाए और अवशिष्ट पदार्थ व गैसे अधिक मात्रा में वायु में न मिलने पाएं

(3) वाहनो में ईंधन से निकलने वाले धुंएँ पर नियंत्रण।

उदाहरण → :

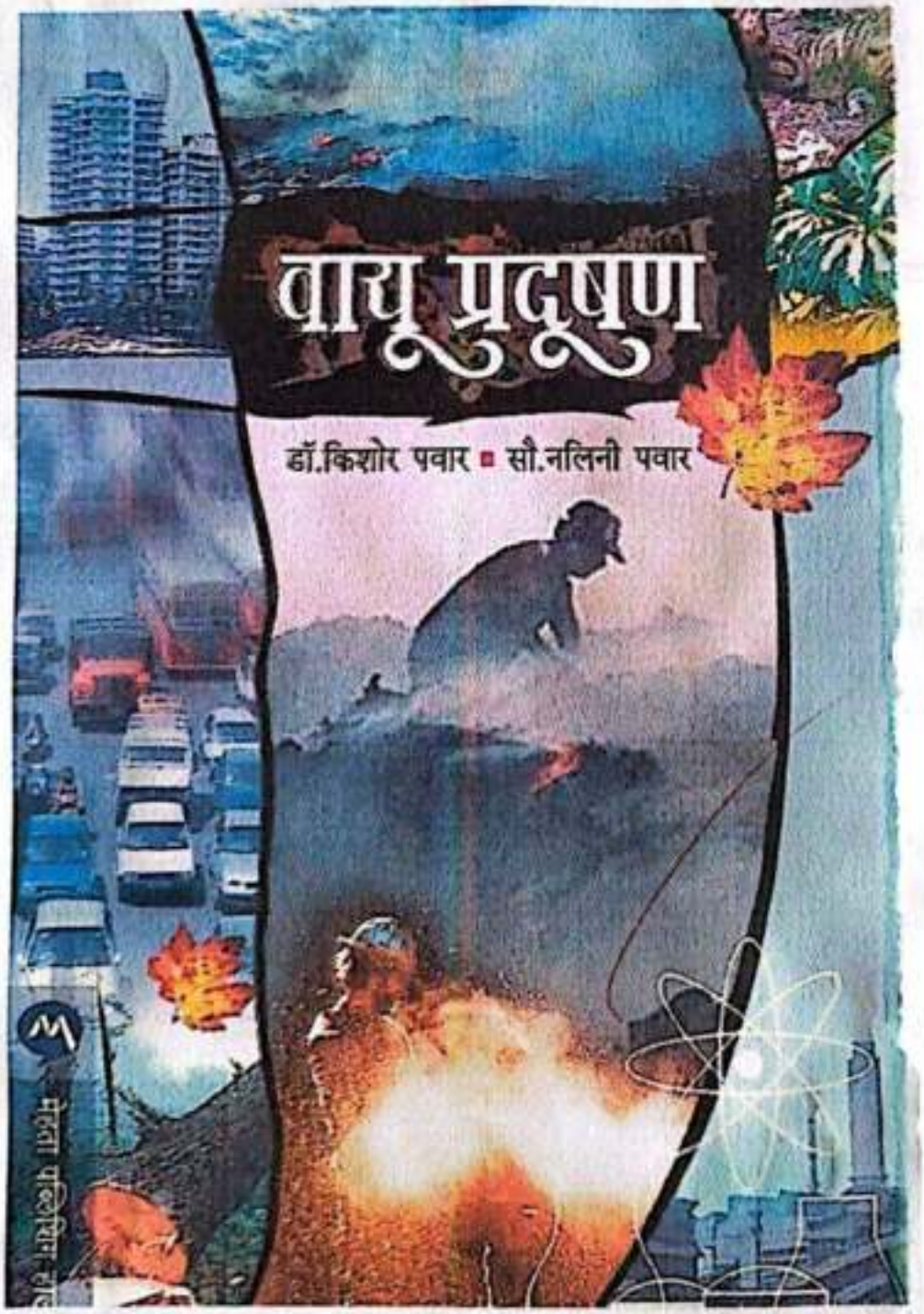

Date:

Page: 8

जल प्रदूषण → जल प्रदूषण का मुख्य कारण मानव या जानवरों की जैविक या किसी फिर औद्योगिक क्रियाओं के फलस्वरूप पैदा हुए प्रदूषकों को बिना किसी समुचित उपचार के सीधे जल धाराओं में विसर्जित कर दिया जाना है। जल में विभिन्न प्रकार के हानिकारक पदार्थों के मिलने से जल प्रदूषण होता है। इसमें कार्बनिक सभी प्रकार के पदार्थ जो नदियों में नहीं होने चाहिए, इस श्रेणी में आते हैं। कपड़े या बर्तन की धुलाई या जीवों या मनुष्यों के साबुन से नहाने पर यह साबुन युक्त जल शुद्ध जल में विलय हो जाता है। खाने या किसी भी अन्य तरह का पदार्थ भी जल में घुल कर उसे प्रदूषित कर देता है।

* **जल प्रदूषण के कारण →** [1] औद्योगिक कूड़ा.

[2] कृषि क्षेत्र में अनुचित गतिविधियां.

[3] मैदानी इलाकों में बहने वाली नदियों के पानी की गुणवत्ता में कमी.

[4] सामाजिक, धार्मिक रीती - रिवाज, जैसे पानी में शव को बहाने, नहाने, कचरा फेंकने।

[5] जहाजों से होने वाला तेल का रिसाव.

जल प्रदूषण के प्रभाव → जल प्रदूषण से व्यक्ति ही नहीं अपितु पशु-पक्षी एवं मछली भी प्रभावित होते हैं। प्रदूषित जल पीने, पुनः सृजन कृषि तथा उद्योगों आदि के लिए भी अनुपयुक्त नहीं है। यह झीलों एवं नदियों की सुन्दरता को कम करता है। प्रदूषित जल, जलीय जीवन को समाप्त करता है तथा इसकी प्रजनन-शक्ति को क्षीण करता है।

* जल प्रदूषण के निवारण में मानव की भूमिका :

नदियों के जल प्रदूषण को रोकने एवं पर्यावरण सुधार हेतु जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाना अति आवश्यक है। भारत के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों को भी आगे आना होगा। नदियों के जल प्रदूषण रोकने के लिए सीवेज स्टेशनो द्वारा दूषित जल की सफाई करके सिंचाई या नदी में डालना चाहिए।

1) प्रत्येक घरो में सेप्टिक टैंक होना चाहिए।

2) जल स्त्रोतो में जानवरों की सफाई न करना।

3) व्यर्थ पदार्थों को नदी, तालाब व पोखरो में न बहाना।

4) कीटनाशी व उर्वरको का अधिकता में प्रयोग न करना।

उदाहरण →

चित्र 6.8 : एक प्रदूषित नदी

जल प्रदूषण

Date:

Page: 10

* **ध्वनि प्रदूषण ➡** ध्वनि प्रदूषण किसी भी प्रकार के अपयोगी ध्वनियों को कहते हैं। जिससे मानव और जीव - जंतुओं में परेशानी होती है। इसमें यातायात के दौरान उत्पन्न होने वाला शोर मुख्य कारण है। जनसंख्या और विकास के साथ ही यातायात और वाहनों की संख्या में भी वृद्धि होती जिसके कारण यातायात के दौरान होने वाला ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ने लगता है।

* **ध्वनि प्रदूषण के कारण :** बढ़ता शहरीकरण, परिवहन (रेल, वायु, सड़क) व खनन के कारण शोर की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। विवाह, धार्मिक आयोजनों, मेलो, पार्टियों में लाउड स्पीकर का प्रयोग और डीजे के चलन भी ध्वनि प्रदूषण का मुख्य कारण है।

[1] औद्योगिक गतिविधियाँ सी एंड डी गतिविधियां, औद्योगिक प्रक्रियाएँ जोर से मशीनरी प्रक्रियाएं, आदि शोर पैदा कर सकती हैं।

[2] मनोरंजन गतिविधियां तेज संगीत, आतिशबाजी आदि अत्यधिक मात्रा में शोर पैदा कर सकते हैं।

[3] शहरीकरण

[4] प्राकृतिक आपदाएं

[5] घरेलू गतिविधियां

KPDP

* **ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव:** ध्वनि प्रदूषण चिड़चिड़ापन एवं आक्रमकता के अतिरिक्त उच्च रक्तचाप, तनाव, कर्णक्ष्वेड़, श्रवण शक्ति का ह्रास, नींद में गड़बड़ी और अन्य हानिकारक प्रभाव पैदा कर सकता है इसके अलावा, तनाव और उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख हैं, जबकि कर्णक्ष्वेड़ स्मृति खोना, गंभीर अवसाद और कई बार असमंजस के दौरे पैदा कर सकता है।

* **ध्वनि प्रदूषण के निवारण में मानव की भूमिका:**

(i) ऐसे उपकरणो का निर्माण करना जो शोर या ध्वनि की तीव्रता को कम करे।

(ii) ध्वनि अवशोषको का प्रयोग करना चाहिए।

(iii) मशीनों के साथ काम करने वाले व्यक्तियों को ध्वनि अवशोषक वस्त्रो को देना चाहिए।

(iv) पौधों को लगाकर को ध्वनि प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

उदाहरण →

* **प्रकाश प्रदूषण** → प्रकाश प्रदूषण एक व्यापक शब्दावली है। जो विभिन्न समस्याओं को सन्दर्भित करती है, जिनसे से सभी समस्याएं कृत्रिम प्रकाश के व्यर्थ, अयोग्य, या (यकीनन) अनावश्यक इस्तेमाल से उत्पन्न होती है। प्रकाश प्रदूषण की विशिष्ट श्रेणियो में शामिल है प्रकाश, अतिचार, अति जगमगाहट, चमक, प्रकाश अव्यवस्था और आकाश प्रदीप्ति है। सड़कों पर दिखाई देने वाली रोशनी के दुरुपयोग के कारण इस प्रकार का प्रदूषण उत्पन्न होता है, इस रोशनी और बिजली को बचाया जा सकता है, लेकिन स्ट्रीट लैंप दिन के उजाले में भी जलते हैं, जिनको उत्पादित करने में लाखों बैरल तेल खर्च होता है।

* **प्रकाश प्रदूषण (Light Pollution) का समाधान और उपाय :**

[1] लाइट बंद रखे जितने अधिक लोग ऊर्जा संरक्षण और प्रकाश प्रदूषण को कम करने के लिए जितनी बार संभव हो रोशनी बंद करने के महत्व को समझेंगे उतनी ही तेजी से बदलाव देखा जाएगा।

[2] कट ऑफ लाइट

[3] लाइट शील्ड्स

[4] प्रमाणित प्रकाश स्रोत का प्रयोग करें।

[5] मोशन सेंसर , [6] दूसरो को शिक्षित करें

उदाहरण →

प्रकाश प्रदूषण

Date:

Page: 18

* **शहरों में प्रदूषण →** पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भारी भीड़ के चलते ज्यादातर लोग अपने वाहन से सफर करना ज्यादा फायद करते हैं। ऐसे में सड़को पर वाहनो भी भारी संख्या के चलते जमा लग जाता है। जाम की वजह से भी वायु प्रदूषण का स्तर अब खराब श्रेणी को पार कर गया है।

* **गाँवो में प्रदूषण →** प्रदूषण का असर अब सिर्फ शहरो तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि गावो तक भी पहुँच गया है। इसमें हर साल वृद्धि हो रही है। भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (I.I.T.R.) द्वारा जारी पोस्ट मानसून रिपोर्ट में स्थिति को चिंताजनक बताया गया है। साथ ही वैज्ञानिको ने स्थिति गंभीर होने से पहले उचित कदम उठाने की सलाह दी है।

पर्यावरण प्रदूषण के निवारण में मानव की भूमिका :-

- अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए। हरे पेड़ो एवं जंगलो की कटाई पर अंकुश लगाया जाए। उद्योगो को प्रदूषण रोकने वाले यन्त्र लगाने पर ही लाइसेन्स दिया जाए। नदियो में प्रदूषित पदार्थो को मिलाने वाले उद्योगो पर रोक लगाई जाए।
- प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल किया जाए और यदि प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है तो प्लास्टिक का रिसाइकल किया जाए।

KPDP

वृक्ष रोपण ही केवल ऐसा साधन है जो हमारे वातावरण को ~~कुछ~~ शुद्ध व स्वच्छ रख सकता है। और यह मनुष्य के हाथ में है यदि व्यक्ति वृक्षारोपण पर जोर दें तो पर्यावरण ह्रास की समस्या समाप्त हो सकती है।

वृक्ष रोपण के लाभों में से एक यह है कि वे जीवन देने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जानवरों द्वारा छोड़ी गई कॉर्बनडाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। और न ही हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि फल, लकड़ी फाइबर, रबर, कागज आदि भी प्रदान करते हैं। पेड़ पशुओं और पक्षियों के लिए आश्रय का भी काम करते हैं।

प्रदूषण के प्रभाव को कम करते हैं।

Major Core

नाम ⇒ अँचल रावत

कक्षा ⇒ B.A I Year II Sem

विषय ⇒ राजनीति विज्ञान

पिता ⇒ श्री सरत सिंह रावत

ह०- भरत सिंह रावत

09/10 ~~~~~~

Dt. ____

Pg. (1)

प्रश्न 1 पर्यावरण और विकास की राजनीति के बीच संबंध स्पष्ट कीजिए पर्यावरण संरक्षण में उत्तराखण्ड महिलाओं की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

पर्यावरण राजनीति (~~स्द अपतवदउमदज च्वसपजपबे~~ उन राष्ट्रों की राजनीति है, जो वे उन राष्ट्रों को पिछड़ी हुई या अविकसित बताकर राष्ट्रों ~~को पिछड़ी हुई या उन्हें~~ विकास के भ्रम जाल में डाला जाता है, उन्हें उनके प्राकृतिक संसाधनों को वैश्विक पूँजी से जोड़ा जाता है, और जल जंगल जमीन को बाजार अर्थव्यवस्था का अविभाज्य हिस्सा बना कर भरपूर दोहन किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यावरण के स्वास्थ्य के सुधार से सम्बन्धित विस्तृत दर्शन विचारधारा तथा सामाजिक आन्दोलन है। पर्यावरणवाद प्राकृतिवाद प्राकृतिक पर्यावरण की कानून द्वारा रक्षा सुधार तथा पुनर्स्थापर का पक्ष लेता है।

पर्यावरण को बचाने के लिए राजस्थान और देश के अन्य राज्यों में रह रहे बिश्नोई पंथ के लोगों का अहम योगदान रहा है। जोधपुर के खेजड़ली गाँव में 12 सितंबर 1730 को 363 बिश्नोई समाज के लोगों ने अपनी जान देकर पेड़ों की रक्षा की थी।

पर्यावरण और राजनीति में संबंध ⇒ पर्यावरण से संबंधित मुख्यधारा के राजनीतिक सिद्धान्तों और विचारों का अध्ययन मुख्यधारा को पर्यावरणीय ~~रुख~~ की जाँच और कई भू-राजनीतिक स्तरों पर पर्यावरण को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक नीति निर्धारण ~~का~~ और कार्यान्वयन का विश्लेषण।

Sign ....

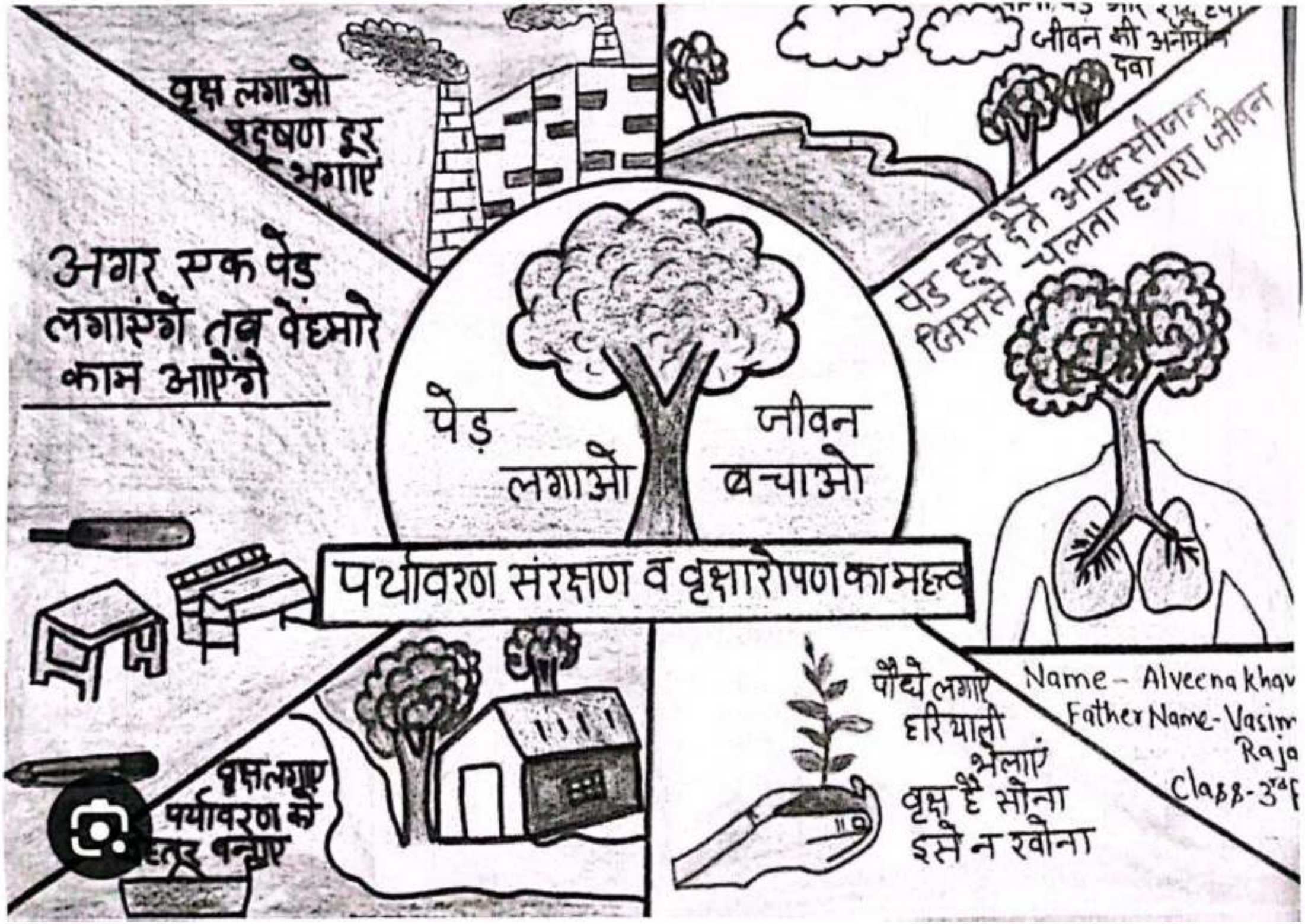

वृक्ष लगाओ प्रदूषण दूर भगाएं
अगर एक पेड़ लगाएंगे तब वे हमारे काम आएंगे
पेड़ लगाओ
जीवन बचाओ
पर्यावरण संरक्षण व वृक्षारोपण का महत्व
पेड़ हमें देते ऑक्सीजन जिससे चलता हमारा जीवन
पौधे लगाए हरियाली फैलाएं वृक्ष है सोना इसे न खोना
पर्यावरण को
Name- Alveena kha
Father Name- Vasim Raja
Class- 3rd

पर्यावरण राजनीति में व्यक्ति की भूमिका ⇒ आप पुनर्चक्रण पुनः उपयोग और खाद बनाकर पर्यावरण की रक्षा के लिए कार्रवाई कर सकते हैं। बेहतर परिवहन विकल्प बनाना, आपके बिजली के उपयोग को कम करना: स्थानीय खरीदना: संरक्षण समूहों को दान और जहरीले रसायनों से बचें। आप राजनीति में भी शामिल हो सकते हैं।

पर्यावरण राजनीति के प्रमुख घटक ⇒ पर्यावरण राजनीति एक व्यापक विषय है, जिसके तीन मुख्य घटक हैं।

(1) पर्यावरण से संबंधित राजनीति सिद्धांतों और विचारों का अध्ययन।
(2) राजनीतिक दलों और पर्यावरण
(3) आंदोलनों की जाँच।

पर्यावरण को प्रभावित करने वाले राजनीति कारकों की भूमिका ⇒ देश पर्यावरण को प्रभावित करने में राजनीति घटक की भूमिका है। देश में राजनीतिक अस्थिरता प्रभावपूर्ण नियोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जबकि राजनीति अस्थिरता अनिश्चितता का वातावरण उत्पन्न करती है, इससे उद्यमी Business संबंधित निर्णय लेने से डरता है। क्योंकि इसमें जोखिम की मात्रा अधिक होती है।

Sign .....

पर्यावरण संरक्षण मे महिलाओ की भुमिका ⇒

ये महिलाएँ भारतीय समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने और लोगो के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनी है। खासतौर से आदिवासी महिलाओ ने वन सम्पदा प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण मे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। आदिवासी जनजातियो की सामाजिक आर्थिक और समुदाय की रीति व्यवस्थाओ में पेड़ो का बहुत महत्व है।

उत्तराखण्ड मे सन रक्षासूत्र आंदोलन का भी विशेष महत्वपूर्ण है। इसमे महिलाओ ने रक्षासूत्र आंदोलन की शुरुआत की। जिसमे उन्होने पेडो पर रक्षा धागा बांधते हुए उनकी रक्षा का संकल्प लिया। इस आंदोलन के कारण महिलाओ को पेडो से भाइयो के जैसा रिश्ता बना इस आन्दोलन के कारण वन विभाग को पेड़ काटने की कारवाई को रोकना पड़ा।

पर्यावरण संरक्षण में महिलाओ की भूमिका ⇒

ये महिलाएँ भारतीय समाज में पर्यावरण प्रति जागरूकता लाने और लोगो के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनी है। खासतौर से आदिवासी ने वन सम्पदा प्राकृतिक साधनो के संरक्षण मे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। आदिवासी जनजातियो की सामाजिक आर्थिक और समुदाय की रीति व्यवस्थाओ में पेडो का बहुत महत्व है।

Sign .....

Dt.
Pg.

पर्यावरण के प्रति महिलाओं के विचार ⇒ यही नही माहिएँ

पर्यावर मे आई गिरावट और प्रकृति की देखभाल करने की आवश्यकता के मुद्दे को तीव्रता से उठाने मे लगी है। इससे इस बात की पुष्टि होती है।

जहाँ नीति निर्माण में महिलाओ की भूमिका की क्षीण रही है। वही पर्यावरण के हित में अच्छी नितियां बनी है।

उत्तराखण्ड मे पर्यावरण मे अन्दोलन किसी बडे उद्देश्य या वैश्विक परिदृश्य को पाने के लिए नही हुए थे। बल्कि पहाड़ी महिलाओ का अपनी दैनिक जरूरतो को पुरा कर पाने के संघर्ष से हुआ था। उस समय तक पर्यावरण और पर्यावरण आंदोलन के उदय का मुख्य कारण पर्यावरणीय विनाश रहा आलोचको का कहना था कि स्वाधीनता पाने के बाद से पश्चिमी अनुभव पर आधारित आर्थिक विकास के प्रतिमानो की नकल उतारने की वजह से ही भारत मे प्राकृतिक संसाधनो पर संघर्ष तीव्र हुए दूसरा विकास योजनाओ का संसाधनो के शोषण और उस पर निर्भर लाखो ग्रामवासियो की बदहाली का जिम्मेदार है। विकास का सीधा आशय पुरूष प्रधान समाज का विकास का का सीधा आशय पुरूष प्रधान समाज का विकास है। विकास का सीधा आशय पुरूष प्रधान समाज का

Sign

फिर होगी, एक सुबह ऐसी भी
सांसें हो रही हैं कम
आओ पेड़ लगाएँ हम
ग्रीन इंडियन आर्मी सोहागपुर

INDEX

Name शिवानी Class B.A. I year Sec..... Project समाजशास्त्र

Sr. No.	Name of the Experiment	Page No.	Date of Experiment	Date of Submission	Remarks
1	प्रस्तावना		19/12/2022		
2.	नशाखोरी / नशे की लत का अर्थ		"		
3.	युवाओं में नशाखोरी के कारण		"		
4.	भारत में नशाखोरी और युवा वर्ग		"		
5.	नशे का युवाओं के जीवन पर दुष्प्रभाव		"		
6.	युवाओं को नशे से दूर रखने के उपाय		"		
7.	निष्कर्ष।		"		
	नाम- शिवानी				
	कक्षा - BA I Semester				
	रोल नं. - 26				
	पिता - श्री आनन्द सिंह				
	विषय - समाजशास्त्र				
	दिनांक - 26/12/2022				
	Sandeep				

07/10

Date 13/12/2022
Page : 01

"नशा और युवा वर्ग"

"नशा एक अभिशाप है सबको ये समझाएं,
देश का भविष्य हैं युवा, जीवन इनका बचाएं।"

प्रस्तावना ⇒ किसी भी देश के युवा उस देश के विकास का प्रमुख आधार होते हैं। देश का भविष्य कैसा होगा यह देश के युवाओं पर ही निर्भर होता है। युवा अगर चाहें तो अपनी कड़ी मेहनत और लगन से खुद के साथ-साथ देश को भी बुलन्दियों तक पहुंचा सकते हैं। परंतु अगर यही युवा नशे की लत का शिकार बन जाएं तो अपने साथ-साथ घर परिवार के विनाश का कारण बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में देश का विकास भला किस प्रकार सम्भव हो सकता है।

नशाखोरी / नशे की लत का अर्थ ⇒ किसी नशीले पदार्थ के नियमित सेवन को नशाखोरी कहते हैं। जब कोई इंसान रोजाना नशीले पदार्थों का सेवन करता है। तो उसे नशे की लत लग जाती है। और नशे के बिना वह बिल्कुल भी रह नहीं पाता। इसीलिए नशे की लत को एक सामाजिक अभिशाप माना जाता है। आज देश में अमीर-गरीब, युवा-वृद्ध, स्त्री-पुरुष शिक्षित-अशिक्षित सभी इस बुरी लत

Sandeep

Teacher's Signature .....

धूम्रपान से हानि

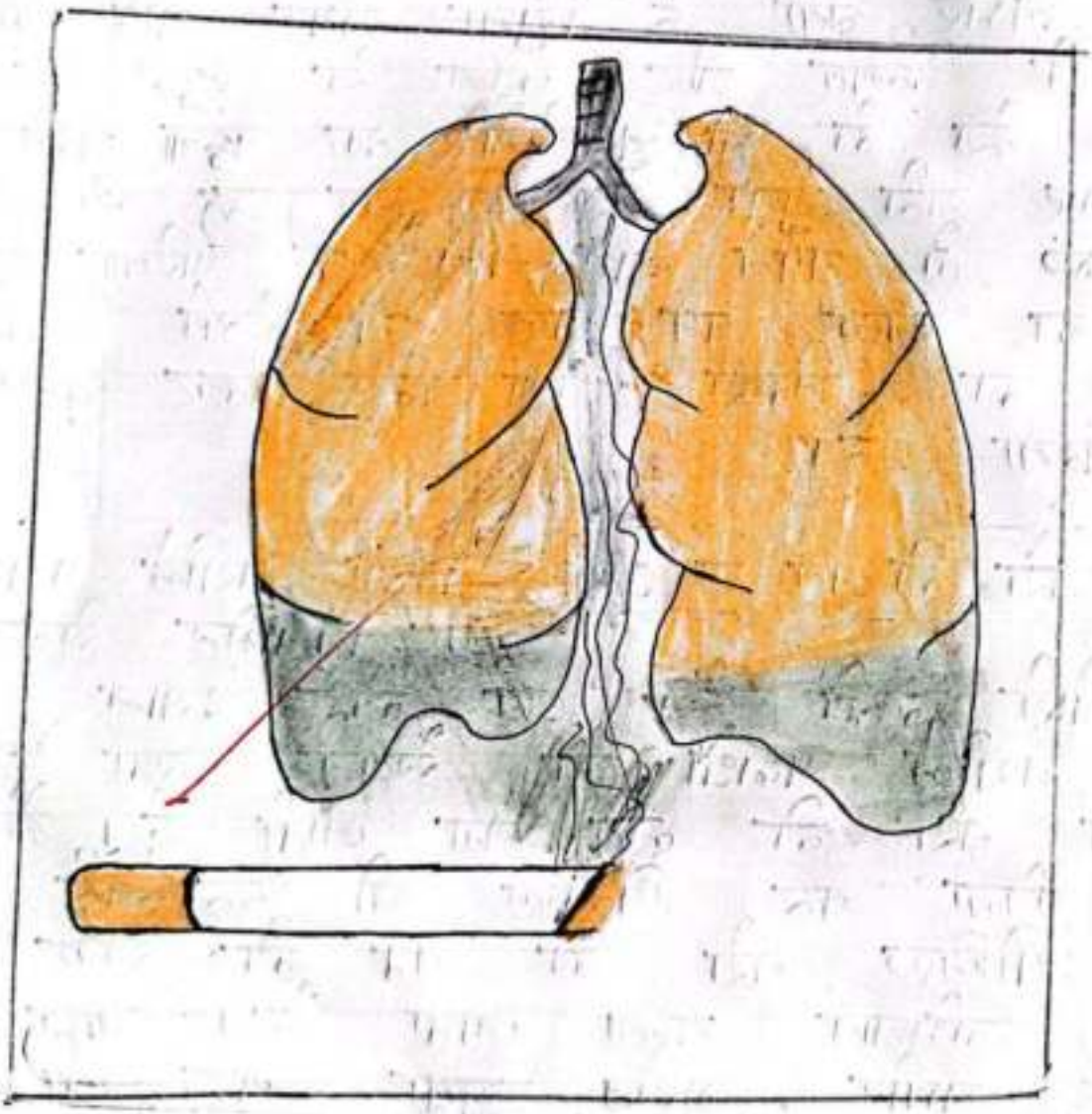

Date 02.../........
Page : ....

के शिकार है। यहाँ तक कि बहुत से बच्चे जो किशोरावस्था मे है वे भी नशे के आदि हो चुके है।

युवाओ मे नशाखोरी के कारण

युवाओं मे नशाखोरी के बहुत से कारण है। गलत संगत मे पड़कर नशा करना और फिर नशे का आदि हो जाना इसका सबसे बड़ा प्रमुख कारण है। इसके अलावा घर का तनावपूर्ण माहौल भी बच्चे को नशे की तरफ धकेलता है। घर मे स्नेह ना मिल पाना, बेरोजगारी, बार-बार कार्यों में स्नेह विफलता, काम-धंधा सही प्रकार से ना चल पाना, भविष्य की चिंता, सम्बन्धों मे धोखा मिलना आदि कुछ ऐसे कारण है जिनके कारण मानसिक तनाव लेकर नशे मे पड़ना आजकल आम बात हो गयी है।

भारत मे नशा और युवा वर्ग

वर्तमान समय मे भारत सम्पूर्ण विश्व मे सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है। लेकिन देश के युवा वर्ग ने नशे को एक फैशन के तौर पर अपना लिया है। नशा अब मौजमस्ती का नहीं अपितु आज की युवा पीढ़ी के लिए

Sandeep

Teacher's Signature ....

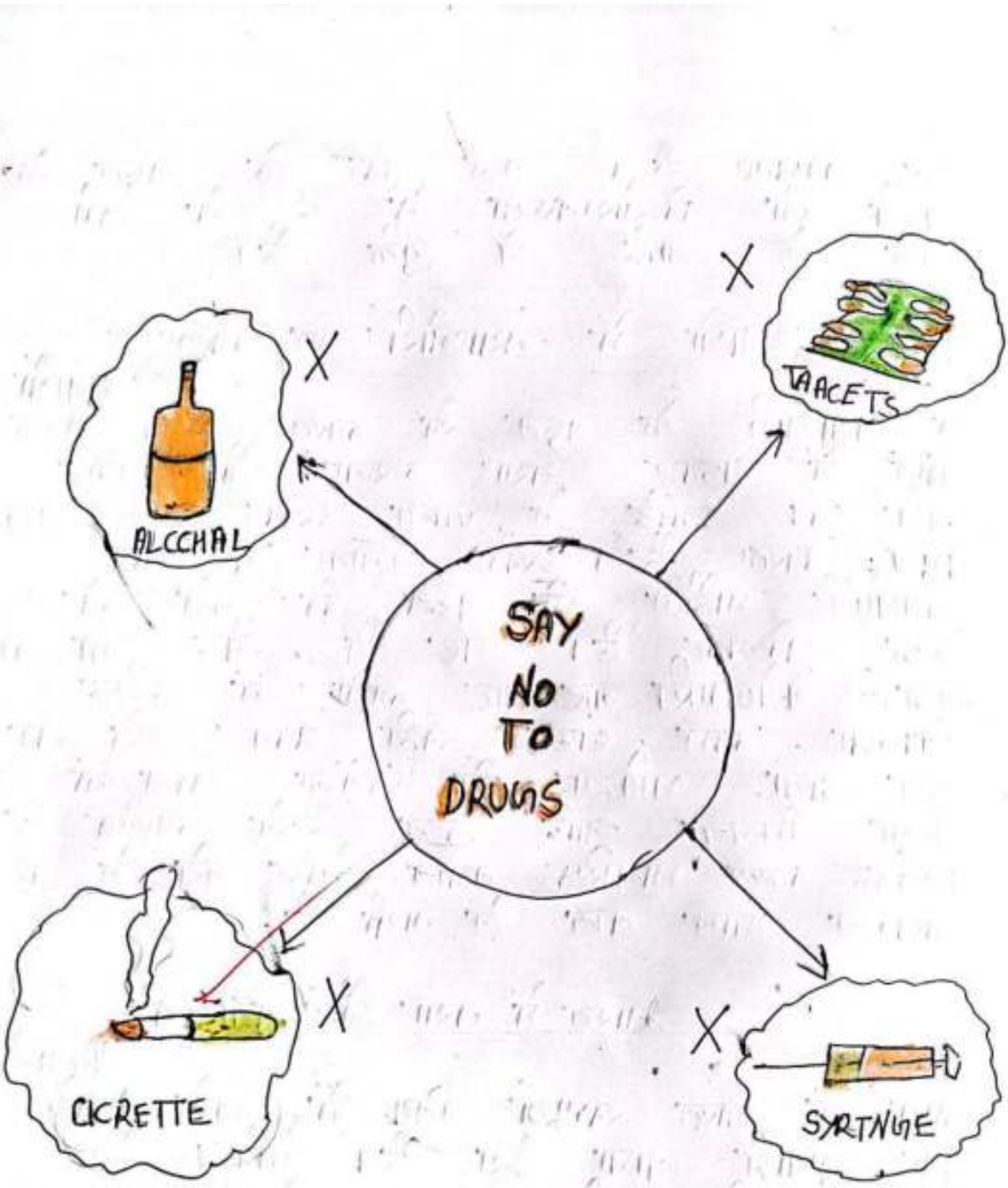

SAY
NO
TO
DRUGS
ALCCHAL
TAACETS
CICRETTE
SYRTNGE

Date 03 /

Page :

आवश्यकता बन गया है

सरकारी आकड़ो के हिसाब से देश की 70 से 75 % आबादी किसी न किसी प्रकार का नशा करती है। जिसमे सिगरेट, शराब व गुटखा की ओर युवा सबसे ज्यादा आकर्षित हो रहे है और तीन मे से एक युवा किसी न किसी प्रकार के नशे का आदी है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश मे हर रोज लगभग 5500 युवा तम्बाकू उत्पादो के सेवन करने वालो की श्रेणी मे जुड़ रहे है। भारत मे करोड़ लोग धूम्रपान करते है, जिसमे 20 प्रतिशत महिलाएं धूम्रपान करती है। एक रिसर्च के मुताबिक महिला स्मोकर्स के मामले मे भारत दुनिया मे दूसरे नंबर पर है। यह एक फैशन के रूप मे आरम्भ होता है। और फिर धीरे-धीरे आदत मे शुमार होता चला जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 30 प्रतिशत भारतीय शराब का सेवन करते है। जिनमे से लगभग 13 प्रतिशत प्रतिदिन शराब का सेवन करते है शराब पीने वाले है। और इनमे से 50 प्रतिशत बुरी सिर्फ सिगरेट व शराब तक सीमित नही रहा बल्कि वर्तमान मे कोकीन, हेरोइन, गांजा, चरस, नशीली दवाइयां आदि का नशा युवाओं को तेजी अपनी गिरफ्त मे ले रहा है। भांग का नशा करने वालो की संख्या भी भारत मे

Sandeep

Teacher's Signature

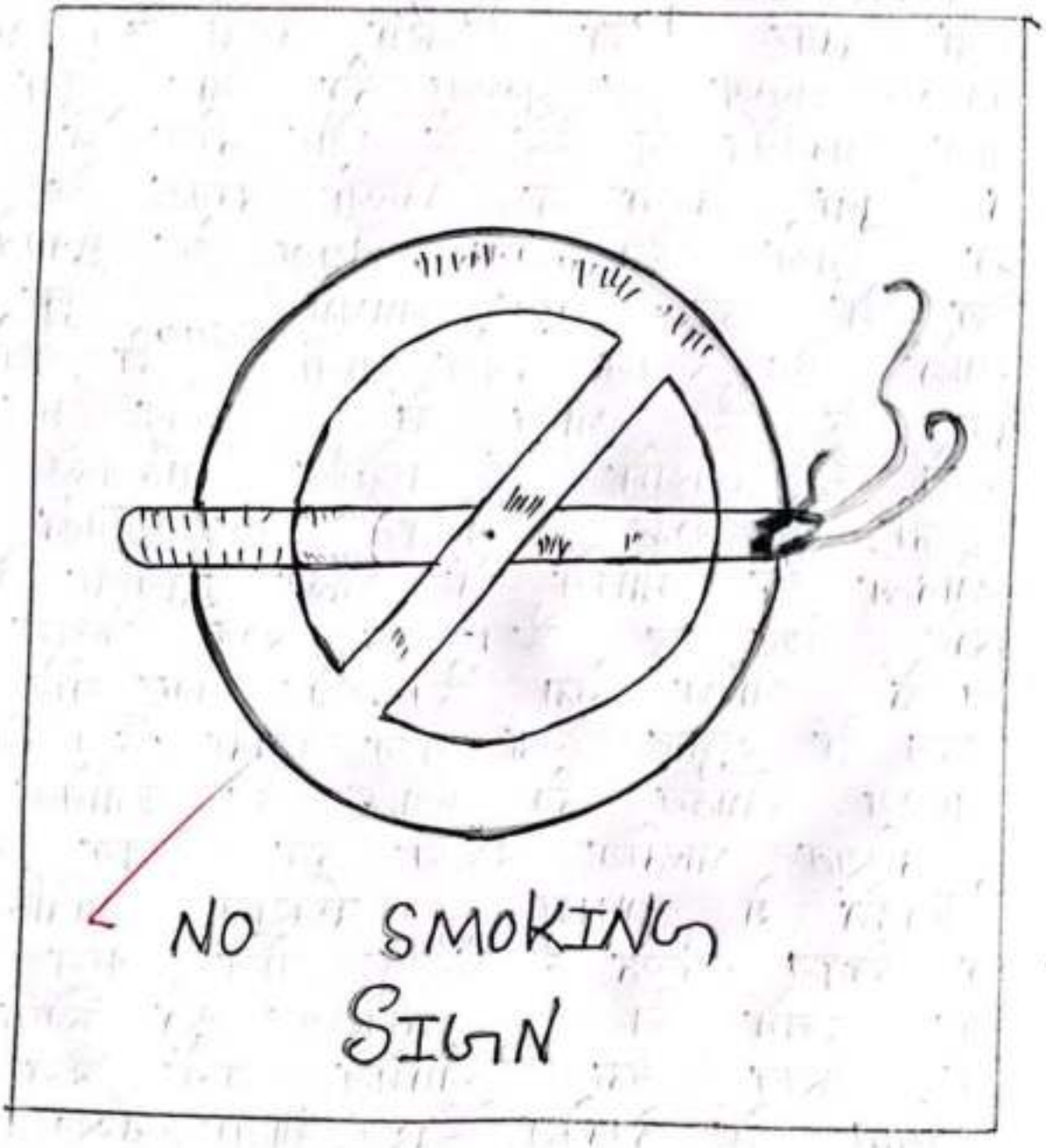

NO SMOKING SIGN

Date 09/...../.........
Page : ....

बहुत अधिक है, देश में लगभग 90 से 95 लाख लोग भांग का रोज सेवन करते है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 70 फीसदी युवा नशे के आदी है।

नशे का युवाओं के जीवन पर दुष्प्रभाव ⇒ नशा एक ऐसी बुराई है जो हमारे समूल जीवन को नष्ट कर देती है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज पर बोझ बन जाता है। नशा स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं है। समाज में ऐसे व्यक्ति को सम्मान की दृष्टी से नहीं देखा जाता और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता शून्य हो जाती है। नशे के सेवन से तन और धन दोनों की हानि होती है।

आजकल शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना आम बात हो गयी है। पत्नी के साथ घरेलू हिंसा, महिलाओं के साथ यौन हिंसा, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है।

"नशा जो करता है इंसान, बन जाता वो हैवान
ना रहती इज्जत उसकी, ना रहता धर्म ईमान"

Sandeep

Teacher's Signature ....

शराव

Date ....

Page : ....

युवाओं को नशे से दूर रखने के उपाय → नशे से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि युवा अपने आपको तनाव से दूर रखें और शरीर की ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में इस्तेमाल करें। खेल, शिक्षा इसका बेहतर ऑप्शन है। माता पिता इस बात का विशेष ध्यान रखें की घर का माहौल और बच्चे की संगत अच्छी हो। अच्छी संगत और अच्छे संस्कारों के साथ जो जीवन जीता है। नशा उसे छू भी नहीं सकता। माता-पिता को बच्चों के साथ खुल कर बात करनी चाहिए और उसे तनाव से दूर रखने का प्रयास करना चाहिए। बच्चों को अच्छे और बुरे का सही आंकलन करना चाहिए। सरकार की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान भी युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक है।

निष्कर्ष ⇒ जहाँ एक और नशा दीमक की तरह युवाओं की जवानी को चाट जाता है, वहीं दूसरी ओर यह सामाजिक सुरक्षा और विकास के लिए भी बहुत बड़ा खतरा है। नशा कई तरह से देश को नुकसान पहुँचा रहा है। अतः सरकार को अपने राजस्व के लालच को छोड़कर नशे के

Sandeep

Teacher's Signature ....

STOP DRUGS

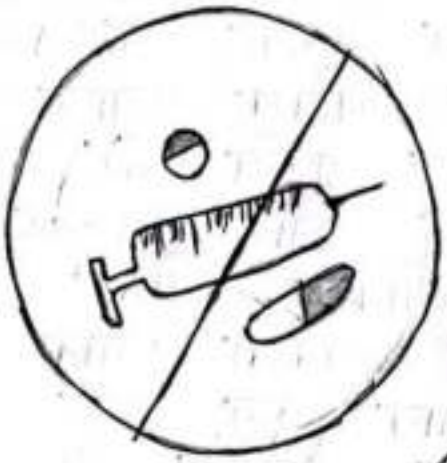

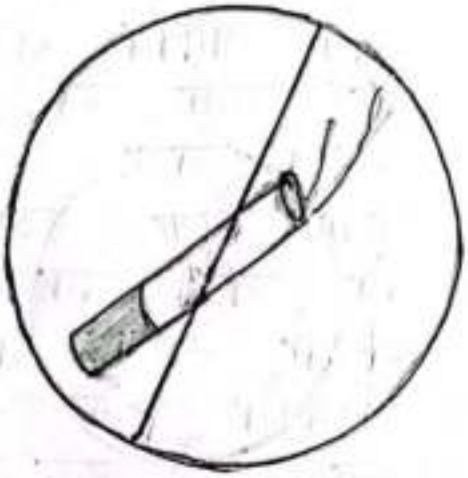

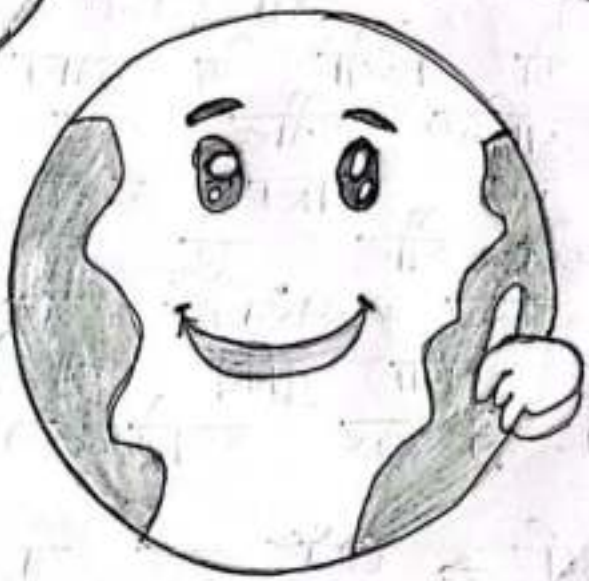

Date: 6/..../......
Page: ....

खिलाफ गंभीर कदम उठाने चाहिए।

* सब मिलकर समाज में इतना जन जागरूकता फैलाएं
नशे के कारण फिर किसी घर का चिराग ना बुझने पाए।"

* जन - जन का यही संदेश,
नशा मुक्त हो अपना देश।

भारतीय सरकार ने नशा मुक्ति से राहत पाने के लिए कई नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की है। देश में खुशहाली लाने के लिए नशे पर प्रतिबन्ध लगाना आवश्यक है। सामाजिक और युवा पीढ़ी में जागरूकता अत्यन्त अनिवार्य है तभी देश प्रगतिशील होगा। देश और देशवासियों के हित के लिए नशे और को जड़ से उखाड़ना होगा। तभी देश का भविष्य उज्जवल होगा।

Sandeep

Teacher's Signature ....

07/10

नाम → आँचल रावत

कक्षा → B.A I year II Sem

गाँव का नाम → खासकोटी

पिता का नाम → श्री सरत सिंह रावत ह० → सरत सिंह रावत

मो० नं० → 7466934432

विषय → समाजशास्त्र

०1

-।- उत्तराखण्ड की सामाजिक संरचना -।-

उत्तराखण्ड के समाज मे सबसे निम्न सामाजिक स्थिति शूद्रो को प्राप्त है। शूद्रों को उत्तराखण्ड का मूल प्राचीन निवासी माना जा सकता है। कुछ इतिहासकारो ने इन्हे कोल प्रजाति माना है। उत्तराखण्ड मे मुख्य रूप से सात प्रकार की जनजातियाँ निवास करती है : भोटिया, थारू, वनरौत, राजी जौनसारी, बुक्सा, जाड़ तथा हर की दून खड़वाल।

-।- उत्तराखण्ड की संस्कृति -।-

उत्तराखण्ड की संस्कृति इस प्रदेश के मौसम और जलवायु के अनुरूप ही है। उत्तराखण्ड एक पहाड़ी प्रदेश है इसलिए यहा ठण्ड बहुत होती है। इसी ठण्ड जलवायु के आसपास ही उत्तराखण्ड की संस्कृति के सभी पहलु जैसे रहन-सहन, वेशभूषा, लोक कलाऐं इत्यादी घूमते है।

72 लोगों के इस परिवार से मिलिए

संयुक्त परिवार व्यवस्था

वे परिवार जिनमे अनेक पीढ़ियो के रक्त संबधी साथ-साथ रहते है, एक साथ भोजन ग्रहण करते है। व सभी सदस्य द्वारा अर्जित आय आपस मे सामान्य रूप मे विभाजित करते है। व सदस्यो की आवश्यकताओ को पूर्ण करते है, उसे संयुक्त परिवार या विस्तृत परिवार कहा जाता है। प्रारम्भ से ही संयुक्त परिवार व्यवस्था भारतीय समाज की एक विशिष्ट विशेषता रही है। लेकिन समय के साथ-साथ ये व्यवस्था भी धूमिल होती जा रही है भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है। और कृषि एक ऐसा व्यवसाय है जिस मे अधिक से अधिक व्यक्तियो की आवश्यकता होती है।

समाज-संरचना

भारतीय समाज मे संयुक्त परिवार व्यवस्था विकसित हुई है।

Sign .....

-!- जाति व्यवस्था -!-

भारतीय समाज कठोर श्रेणीबद्धता में बधाता है, समाज चाहे किसी भी श्रेणी, काल खण्ड या युग का हो, उसके स्वरूप मे असमानता एवम् विभेदीकरण का किसी न किसी रूप मे पाया जाना अनिवार्यता है। सामाजिक विभेदीकरण के अन्तर्गत व्यक्ति यो को अनेक वर्गों, भाषा, आयु, सगे सम्बन्धियो नातिदारो, लिंग, स्थान, विशेष इत्यादि का आधार लेकर अलग किया जाता है। समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य मे देखे तो सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग का जन्म, शिक्षा, व्यवसाय और आय के आधार पर विभाजन किया है। जाति व्यवस्था की स्थापना हमारी भारतीय समाज की आधारभूत विशेषता है, भारत मे सामाजिक स्तरीकरण की प्रक्रिया का मूल अधार जहाँ जाति और वर्ग रहे है। भारत मे हिन्दू-समाज प्राचीन से ही जाति के आधार पर अनेक श्रेणियों मे बंध रहा है।

Dt. _____

Pg. 4

संयुक्त परिवार की टूटती संरचना

परिवार एक ऐसी सामाजिक संस्था है, जो आपसी सहयोग व समन्वय क्रियान्वित होती है। जिसके समस्त सदस्य आपस मे मिलकर अपना जीवन प्रेम, स्नेह एंव भाईचारे से निर्वाह करते संस्कार, मर्यादा सम्मान, समर्पण आदर अनुशासन आदि। किसी भी सुखी-संपन्न एंव खुशहाल परिवार के गुण होते है। कोई भी व्यक्ति परिवार मे ही जन्म लेता है। उसी से उसकी पहचान होती है, और परिवार से ही अच्छे-बुरे लक्षण सीखता है। परिवार सभी लोगो को जोड़े रखता है दुख-सुख मे सभी एक-दूसरे का साथ देते है। परिवार मे सबसे बड़ा कोई धन नही, पिता से बड़ा कोई सलाहकार नही मां के आंचल से बड़ी कोई दुनिया नही, भाई से अच्छा कोई भागीदार नही, बहन से बड़ा कोई शुभचिंतक नही होता है।

Sign .....

—।— संयुक्त परिवार में भागीदारी —।—

संयुक्त परिवार मे कर्ता या प्रबन्धक संयुक्त परिवार का प्रतिनिधित्व करता है।
(6) भागीदार भागीदारी फर्म के ऋणो के लिए पृथक तथा संयुक्त रूप से जिम्मेदार होता है, संयुक्त परिवार कारबार के ऋणों के लिए संयुक्त परिवार का सदस्य संयुक्त परिवार कारबार के ऋणों के लिए संयुक्त परिवार सम्पत्ति मे अपने हित की सीमा तक ही जिम्मेदार होता है।

—।— भागीदारी एंव संयुक्त परिवार में अन्तर —।—

	भागीदारी	संयुक्त परिवार
1.	भागीदारी संबंध संविदा से उत्पन्न होती है।	संयुक्त परिवार संविदा से उद्भूत नही होता वरन प्रास्थिति से उत्पन्न होता है।

07

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Title of Activity: Workshop on "Organic Farming and Environment Protection"

Date: 16-17 March 2022

Organized by: Dr. Madhu Bala Juwantha, Assistant Professor of Political Science

Place: Government Degree College Nainbagh, Tehri Garhwal, Uttarakhand

Nature of Participants: Local farmers, Teaching and non-teaching staff and Students

No. of Participants: 57

Chief Guest: Hon MLA, Dhanaulti ,Shri Pritam Singh Panwar (Inaugural Function)

Chief Guest: Ms Sakshi Upadhaya (Valedictory Function)

Special Guest: Shri Premchandra Sharma, Padmshree

In Collaboration with: Uttarakhand Science Education and Research Council Dehradun (Major collaborator), Uttarakhand Organic Commodity Board Dehradun, SBI Nainbagh, Zila Sahkari Samiti Nainbagh, PNB Nainbagh

Resource Persons

1: Name: Shri Premchandra Sharma**, Designation:** Padmshree**, Name of Institute/Office:** Self employed**, Contact No:** 9412932004**,**

Title of Lecture: Organic farming for healthy life

2: Name: Shri Amit Srivastava**, Designation:** Technical Manager**, Name of Institute/Office:** Uttarakhand Organic Commodity Board Dehradun**, Contact No:** 9410728083**,**

Title of Lecture: Facilities provided by Uttarakhand Organic Commodity Board Dehradun

3: Name: Shri Kundan Singh Panwar**, Designation:** Orchard Expert**, Name of Institute/Office:** Self employed**, Contact No:** 9411313306**,**

Title of Lecture: Type of farming in Nainbagh area

4: Name: Shri Jagmohan Singh Kandari**, Designation:** Farming Expert**, Name of Institute/Office:** Self employed**,** Gram Pradhan Ghansi**, Contact No:** 9690563364**,**

Title of Lecture: Innovation in farming

5: Name: Shri Balbir Singh Sajwan**, Designation:** Organic compost trainer **Name of Institute/Office:,** Uttarakhand Organic Commodity Board Dehradun **Contact No:** 8477986316**,**

Title of Lecture: On hand training on Organic Compost farming

6: Name: Ms Ruchi Mehta**, Designation:** Manager **Name of Institute/Office:,** SBI Nainbagh, **Contact No:** 9837617660**,**

Title of Lecture: Facilities of SBI in promoting self employment

7: Name: Mr Diwan Singh**, Designation:** Manager **Name of Institute/Office:,** Zila Sahkari Bank Nainbagh, **Contact No:** 9458907560

Title of Lecture: Possibilities of Organic Farming in Nainbgah

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

8: Name: Mr Kailash Rawat**, Designation:** Manager **Name of Institute/Office:,** Punjab National Bank Nainbagh, **Contact No:** 7017859742

Title of Lecture: Loan Facility for organic farming

About the activity

Workshop was organized entitled "Organic Farming and Environment Protection" in collaboration of Uttarakhand Science Education and Research Council on 16-17 March 2023. Major participants were local farmers of Nainbgah. Several resource persons were delivered their talk on the title as mentioned above. A vibrant discussion was held among participants and experts.

Geo tag photos, News and Attendance

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

जैविक खेती की उपयोगिता पर डाला प्रकाश

कार्यशाला

- जैविक खेती-पर्यावरण संरक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मसूरी, लोकसत्य।

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग एवं यू-सर्क उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में नैनबाग डिग्री कॉलेज में जैविक खेती पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पद्मश्री प्रेमचंद शर्मा एवं मुख्य वक्ता उत्तराखंड जैविक उत्पाद बोर्ड के टेक्निकल मैनेजर अमित श्रीवास्तव ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। उद्घाटन सत्र में विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने महाविद्यालय की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। उन्होंने जैविक खेती को मानव हित में बताते हुए कहा कि यदि इस प्रकार की कार्यशाला प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों द्वारा कराई जाए तो हम पहाड़ों में जैविक खेती को पूरे तरीके से लागू कर सकते हैं। इस मौके पर विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने महाविद्यालय में सेमिनार हॉल की साज-सज्जा के लिए दो लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यशाला में पद्मश्री प्रेमचंद शर्मा ने कहा कि प्रत्येक परिवार को अपना एक ऐसा किचन गार्डन जो पूरी तरह से जैविक पर आधारित हो तैयार करना चाहिए। यह बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने ड्रिप सिंचाई के तरीके भी बताए।

प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद देहरादून से अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अपना एक पारिवारिक किसान मित्र भी रखना चाहिए तथा उत्पाद उसी से खरीदना चाहिए। इससे उपभोक्ता और उत्पादक दोनों को लाभ होगा। ग्राम प्रधान पनकी जगमोहन सिंह कंडारी ने जैविक खेती के संबंध में अपने अनुभव को किसानों के साथ साझा किया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता उद्यान पंडित कुंदन सिंह पंवार ने की। प्राचार्य सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि आने वाले दिनों में इस तरह के और भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। द्वितीय तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता उद्यान पंडित कुंदन सिंह पंवार ने पावर पॉइंट द्वारा जैविक खेती की विधि को किसानों से साझा किया। कार्यशाला के दूसरे दिन नैनबाग तहसील के तहसीलदार साक्षी उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में एसबीआई शाखा प्रबंधक रुचि मेहता पीएनबी बैंक शाखा प्रबंधक कैलाश एवं सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक दीवान सिंह उपस्थित रहे। प्रशिक्षक के रूप में दूसरे दिन जैविक उत्पाद परिषद देहरादून के प्रशिक्षक बलवीर सिंह सजवान ने किसानों एवं छात्र-छात्राओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक खाद व वर्मी कंपोस्ट एवं जैविक कीटनाशक तैयार करने के तरीके सिखाए। कार्यक्रम की आयोजक सचिव डॉ. मधुबाला जुवांठा ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि, विषय विशेषज्ञों, महाविद्यालय की प्राचार्य, समस्त सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों,नारायणी उद्यान, उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद बोर्ड व कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले किसानों, छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा किया गया। कार्यशाला में डॉ. ईश कुमार, परमानंद चौहान, संदीप कुमार, चतर सिंह तथा शिक्षणेतर कर्मचारी रेशमा बिष्ट, विनोद चौहान, सुशील चंद, दिनेश सिंह, भुवन चंद, अनिल सिंह नेगी, रोशन सिंह, रीना, मोहन लाल उपस्थित रहे।

Organizing Secretary
Dr. Madhu Bala Juwantha
Mobile No:7895506080

Sumita

Prof. Sumita Srivastava
Principal
Government Degree College, Nainbagh
Tehri Garhwal
Mobile No. 8077919619

Principal
Govt. Degree College
Nainbagh (Tehri Garhwal)